RNI. MPHIN/2016/68439

“नम्रता एवं मधुर वचन ही मनुष्य के आभूषण हैं।अन्य वस्तुत: आभूषण नहीं हैं।” — तिरुवल्लुवर

दैनिक मेल पॉवर

वर्ष- 10 | अंक-92 | भोपाल, शनिवार 30 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

दो बच्चे के पेट से डॉक्टर ने निकले 10 चुंबक

फरीदाबाद ।फरीदाबाद से मासूम बच्चों के माता–पिता को अलर्ट करने वाला और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर 3 और 4 साल के दो मासूम भाई–बहनों की जान तब खतरे में पड़ गई, जब उन्होंने खेल–खेल में खिलौनों के रूप में आने वाली कई छोटी–छोटी चुबंकों को निगल लिया। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसकी जानकारी मम्मी–पापा को तब तक पता नहीं चला, जब तक कि दोनों बच्चों की तबीयत बुरी तरह बिगड़ी नहीं। एक बच्चे को जब लगातार उल्टियां और पेट दर्द होने लगा, तब परिजन अस्पताल पहुंचे, तब जाकर इस गड़बड़ी के बारे में पता लगा। अगले ही दिन बच्ची की तबीयत भी बिगड़ गई।

राजस्थान में 55 साल की महिला ने 17वें बच्चे को दिया जन्म

जयपुर। दक्षिणी राजस्थान में चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां उदयपुर जिले के झाड़ोल गांव की एक 55 साल की महिला ने 17वें बच्चे को जन्म दिया है। इसके बाद राजस्थान स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र में जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ी समस्याओं की जांच शुरू कर दी है। इस असाधारण मामले ने स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने, आदिवासी इलाकों में उच्च प्रजनन दर को नियंत्रित करने में आने वाली चुनौतियों की कलई खोल कर रख दी है। झाड़ोल की रहने वाली रेखा कालबेलिया ने एक स्थानीय अस्पताल में 17वें बच्चे को जन्म दिया, जिससे उसके परिवार में अब 24 सदस्य हो गए।

बिहार में महिलाओं को मिलेंगे 10 हजार, नीतीश कैबिनेट से मिली मंजूरी

सरकार शुरू कर रही मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से सीएम नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। नीतीश सरकार चुनाव से पहले हर परिवार की एक महिला को 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देगी। सितंबर 2025 में यह राशि खातों में ट्रांसफर की जाएगी। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू की है। इस योजना को नीतीश कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को रोजगार के लिए कुल दो लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। पहली किस्त के रूप में महिलाओं को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। सीएम नीतीश कुमार ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिला सशक्तीकरण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल बिहार की प्रगति में अपना योगदान दे रही हैं बल्कि वे अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। इसी

मिशन को आगे बढ़ाते हुए हम लोगों ने महिलाओं के हित में अब एक अहम एवं अभूतपूर्व निर्णय लिया है जिसके सकारात्मक दूरगामी परिणाम होंगे। सीएम नीतीश ने बताया कि कैबिनेट बैठक में महिलाओं के रोजगार के लिए नई योजना मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की स्वीकृति दी गई। इस योजना का मुख्य लक्ष्य राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देना है। इसके लिए इच्छुक महिलाओं से आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। संभावना है विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर भी कर दिए जाएंगे।

स्वर्गीय मां के लिए अपशब्द

जरा भी शर्म बची हो राहुल गांधी में, पीएम मोदी और जनता से माफी मांग लें - केंद्रीय मंत्री शाह

असम। बिहार में विपक्षी गठबंधन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी में जरा भी शर्म बची है, तब उन्हें इसके लिए पीएम मोदी और जनता से माफी मांगनी चाहिए। इतना ही नहीं केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा को घुसपैठिया बचाओ यात्रा बता दिया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार से घृणा और तिरस्कार की नकारात्मक राजनीति की शुरूआत की है, उसका एक निम्न स्तर का प्रदर्शन उनकी घुसपैठिया बचाओ यात्रा में देखने को मिला। बिहार में उन्होंने जो घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली है, उसमें राहुल गांधी के स्वागत मंच से पीएम

मोदी की स्वर्गीय मां के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस पार्टी ने सबसे घृणित काम किया है। मैं पीएम मोदी और उनकी मां के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपशब्दों की निंदा करता हूं। मैं पूरे देश की जनता से भी कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार से राहुल गांधी ने घृणा, नकारात्मक और मुद्दाविहीन राजनीति की शुरूआत की है, वहां हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मणिशंकर अय्यर सहित कई नेताओं ने पीएम मोदी के लिए अपशब्द कहे। इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करके क्या आपको जनादेश मिलेगा? मैं आज कांग्रेस के नेताओं से कहना चाहता हूं कि जितना ज्यादा पीएम मोदी के लिए अपशब्द कहते हो, कमल का फूल उतना ही ज्यादा खिलेगा। हर चुनाव में आपने प्रयास करके देखा है, फिर भी कुछ सीखना नहीं चाहते हैं। हर चुनाव में अपशब्द कहते हैं और मुंह की खाते हैं। इसके बाद विजय को झूठलाने के लिए ये लोग घुसपैठिए बचाओ यात्रा लेकर निकले हैं। ये यात्रा (वोटर अधिकार यात्रा) सिर्फ घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली जा रही है। बता दें कि दरभंगा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकताओं ने मंच से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि, उस समय राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मौजूद नहीं थे, लेकिन इस घटना पर सभी राजनीतिक दलों और नेताओं ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

जिस पर भगवान की छत्रछाया हो उसका कोई बाल भी वांका नहीं कर सकता

मारने वाला है भगवान बचाने वाला है भगवान

18 कचरा वाहन में मिली नवजात बच्ची, अस्पताल में कराया गया भर्ती इलाज जारी

रायसेन/बरेली। बच्चों की खातिर लोग दर दर की ठोकरे खातें हैं और कहीं मन्नत मानते हैं तो कहीं जगह जाकर गोद भराई और बच्चा होने के लिए ईश्वर से लाखों विनती करते हैं। वही जिनके बच्चे हो रहे हैं वह गलत कदम उठाकर मरने के लिए छोड़ देते हैं जिससे समाज तो शर्मशार होता ही है वही मानवता भी बिल्कुल

निचले स्तर पर शर्मसार पहुंच जाती है। बिल्कुल भी ऐसे मां और बाप को कोई हक नहीं है कि आप किसी नवजात को ऐसी हालत में मरने के लिए छोड़ दो। अगर आपने उसको जीवन दे दिया है तो कम से कम किसी के भरोसे पालने ही छोड़ सकते हैं। कहते हैं मारने वाले से बचाने वाला ही बड़ा होता है जिस पर भगवान की छत्रछाया हो उसका कोई बाल भी वांका नहीं कर सकता ऐसा ही एक मामला रायसेन जिले के जिले के बरेली में कचरा वाहन में नवजात मिली है। शुक्रवार सुबह वाहन के हेल्पर को गाड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उसने ड्राइवर को बताया। गाड़ी रोककर देखा तो कचरे के बीच बच्ची दिखी। नवजात को बरेली सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल बच्ची की सेहत स्थिर है। **बरेली थाना प्रभारी कपिल गुप्ता ने कहा-** पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची को वाहन में किसने और कब डाला? उसके परिजन कौन हैं? डिलीवरी किसने-कहां कराई? कचरा वाहन के रूट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

स्कूलों में बच्चों के नेत्र परीक्षण का कार्य प्राथमिकता से करें : संभागायुक्त श्री सिंह

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का तत्परता से हो निराकरण, समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने कहा है कि स्कूलों में बच्चों के नेत्र परीक्षण का कार्य प्राथमिकता से किया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। जरूरी होने पर विद्यार्थियों को चश्मा और इलाज भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी विभागों को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने एवं शासन की मंशानुसार समस्त कार्यालयीन कार्य ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने

शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती किरण गुप्ता, संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री विनोद यादव एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। श्री सिंह ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए चिन्हित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत लंबित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा कर अधिकारियों को समन्वय से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का निराकरण तेजी से करें। संभागायुक्त श्री सिंह ने जननी सुरक्षा योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ हितग्राहियों को समय पर दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर के संबंध में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के अधिकारियों को आवासों की जिओ टैगिंग के उपरांत परियोजना प्रस्ताव शीघ्रता से प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

आलोक शर्मा ने खेल महोत्सव शुभारंभ किया

दैनिक भेल पॉवर

सांसद श्री आलोक शर्मा ने भोपाल में सांसद खेल महोत्सव - 2025 एवं पोर्टल का शुभारंभ किया। शुभारंभ दिवस पर ही हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, खो-खो, रस्सा-कसी और कबड्डी जैसे खेलों के लिए 50 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सांसद श्री शर्मा ने कहा कि जीवन में खेलों का विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सभी से प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल मैदान में व्यायाम करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बच्चे, युवा और वरिष्ठ नागरिक सभी को फिट इंडिया आंदोलन से जुड़कर अपनी सेहत सुधारनी चाहिए। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेंद्र अहिरवार, जिला खेल अधिकारी सुश्री वाणी साहू सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

संस्कार युक्त शिक्षा से ही प्राप्त की जा सकती हैं उंचाईयाँ : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

एमसीयू रीवा परिसर में अभ्युदय समापन सत्र

यहां के विद्यार्थियों ने देश-विदेश में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट स्थान बनाया है। रीवा परिसर के विद्यार्थी भी लगन व मेहनत से शिक्षित होकर अपने संस्थान का नाम रोशन करें। यह संस्थान उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि संस्कार युक्त शिक्षा से ही उंचाईयाँ प्राप्त की जा सकती हैं। सर्वोच्च पद पर पहुंचकर भी आमजनों के कल्याण व देश के विकास के लिये प्रयत्नील रहें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां के विद्यार्थियों ने देश-विदेश में पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट स्थान बनाया है। रीवा परिसर के विद्यार्थी भी लगन व मेहनत से शिक्षित होकर अपने संस्थान का नाम रोशन करें। यह संस्थान उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में इसकी और प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के साथ ही आदर्श पुस्तकों का अध्ययन करें और देश को विश्वगुरू बनाने में सहभागी बनें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने में जागरूकता व शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विन्ध्य में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, वर्तमान में देश की सेना के दो सर्वोच्च पदों पर विन्ध्य के ही लाल विराजमान हैं। उप मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थापित विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन भी किया। उन्होंने परिसर में वृक्षारोपण किया। संवाद-सत्र में उप मुख्यमंत्री शुक्ल एवं कुलगुरू तथा वरिष्ठ पत्रकारों ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने बताया कि पत्रकारिता के साथ कंप्यूटर शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को आने वाले समय में आईटी क्षेत्र में ख्यातिलब्ध विद्वानों का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने नवागत विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा अपेक्षा की कि वे अपने परिजनों की आशाओं पर खरे उतरेंगे और देश-विदेश में स्वयं व संस्थान का नाम रौशन करेंगे। वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण मोहन मिश्रा, प्रकाश हिंदुस्तानी, संजय पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, जयराम शुक्ला ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन केंद्र प्रभारी डॉ. सत्येंद्र डेहरिया द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने निगम सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 6 कर्मियों को दी ससम्मान बिदाई

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। नगर निगम, भोपाल में अपनी सेवा अवधि पूर्ण कर निगम सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 06 कर्मियों को निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने शॉल, श्रीफल, मिष्ठान आदि भेंटकर ससम्मान बिदाई दी और उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना की। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने शुक्रवार को माता मंदिर, हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित निगम कार्यालय में आयोजित बिदाई समारोह में निगम की सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे सहायक यंत्री श्री सुनील कुमार जैमनी, श्रमिकगण श्री इश्तियाक हुसैन, श्री मोहम्मद शफीक, श्री अंसार, श्री यग प्रसाद यादव तथा विनियमित अर्द्धकुशल श्रीमती बदर फातिमा को ससम्मान बिदाई दी। निगम आयुक्त श्री नारायन ने इस मौके पर सेवानिवृत्त हो रहे

कर्मचारियों से चर्चा भी की और उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना भी की। इस मौके पर सेवा निवृत्त अधिकारी/कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री एस. नजीर अहमद के अलावा डॉ. शमीम कुरैषी, श्री हसन तैयब, श्री अब्दुल रकीब, श्री जगदीश प्रसाद सहित निगम के अन्य कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का उत्सव आगाज बढ़े धूमधाम से

दैनिक भेल पॉवर

भोपल। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी शारिरिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में आज प्रथम दिवस मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि दी गई उनके व्यक्तित्व एवं उनकी उपलब्धियां पर चर्चा का आयोजन किया गया प्रतिभागियों को पिटू खेल प्रतियोगिता, एरोबिक, एक्टिविटी कराई गई फिट इंडिया के अंतर्गत शपथ पत्र से शपथ दिलाई गई आज के इस कार्यक्रम मे विश्वद्यालय मे अध्यनरत लगभग तीन सो छात्र-छात्राओं टीचिंग फैकेल्टी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया इस अवसर विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षण संस्थान की पूर्व छात्रा प्रगति दुबे शुटिंग की अंतराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी विक्रम अवॉर्डी ,भुवन सिंह,शिवरानी, गरिमा गुप्ता का सम्मान किया गया। शाम 4:00 बजे महिला फुटबॉल प्रतियोगिता महिला फुटबॉल प्रशिक्षक चंचल कोशिक के मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव अनिल शर्मा,सहायक कुलसचिव पुनीत शुक्ला संचालक शारीरिक शिक्षा डॉ आलोक मिश्रा

क्रीड़ा अधिकारी रविंद्र कौशिक,अनिल तंवर,एडवेंचर सेल इंचार्ज मुकेश शर्मा,डॉ दीपक सिंह,लेफ्टिनेंट सरिता कुशवाहा,डॉ पूनम सिंह,डॉ चंद्रभान यूइके, डॉ अक्षय लोधी,सुमित पटेल अफाक मोहम्मद खान ,अख्तर हुसैन इंद्रजीत विभाग के सहयोगी आदि उपस्थित थे आगामी दो दिवस भी खेलो पर परिचर्चा डिबेट रस्साकसी अन्य खेल प्रतियोगिता एवं अंतिम दिवस रविवार को साईकिल रैली का आयोजन यूनिवर्सिटी परिसर मे किया जाएगा।

इफको-एमसी ने मनाया 11वां स्थापना दिवस, किसानों के लिए "सही दवा" और "सुरक्षा बीमा" पर दिया जोर

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। कृषि रसायन क्षेत्र में किसानों को बेहतर सेवाएं देने वाली कंपनी इफको-एमसी इफको और मित्सुबिसी कॉरपोरेशन का संयुक्त उद्यमद्ध ने 28 अगस्त को अपनी स्थापना के 10 साल पूरे होने पर अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम भोपाल के मालीखेड़ी में स्थित गौर मैरिज गार्डन में श्री सिद्धि विनायक ट्रेडर्स के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल किसान मोर्चा के अध्यक्ष मांगीलाल पटेल ने की। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर नगर निगम वार्ड 72 के पार्षद विकास पटेल, मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर और मंडल कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश जी गौर शामिल हुए। इफको एमसी की ओर से ओम प्रकाश जी मेवाड़ा इफको नैनो वेंशन से छत्रपाल दांगी और दीपक चंद्रवंशी उपस्थित थे। कार्यक्रम में लगभग 62 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया, जिन्होंने कृषि से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। किसानों के लिए सही दवा और बीमा योजना इफको-एमसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज वार्ष्णेय ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से संगठन के तीन मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला, सही दवा, सही दाम और किसान सुरक्षा बीमा योजना। उन्होंने बताया कि कंपनी का

मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उत्पाद उपलब्ध कराना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इफको एमसी के ओम प्रकाश मेवाड़ा ने किसानों को धान की फसल में लगने वाले कीटों और रोगों से बचाव के तरीके बताए। उन्होंने किसानों को कंपनी की दवाओं के साथ मिलने वाली मुफ्त किसान सुरक्षा बीमा योजना के बारे में भी जानकारी दीए जिससे किसी भी दुर्घटना की स्थिति में किसानों को आर्थिक सहायता मिल सके। कार्यक्रम के अंत में श्री सिद्धि विनायक ट्रेडर्स के संचालक नितिन गौर ने सभी किसानों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन और मार्गदर्शन की उम्मीद जताई।

भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें - महापौर श्रीमती राय

महापौर श्रीमती मालती राय ने गणेश उत्सव के तहत भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए दिए निर्देश

समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री देवेन्द्र सिंह चौहान, महापौर परिषद के सदस्य श्री आर.के.सिंह बघेल के अलावा निगम के स्वास्थ्य, झील संरक्षण एवं फॉयर ब्रिगेड के अधिकारी व विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने निर्देशित किया है कि गणेश उत्सव के दौरान डोल ग्यारस एवं अनन्त चतुदशी पर भगवान

श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्व बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें। महापौर श्रीमती मालती राय ने यह निर्देश भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए दिए। महापौर श्रीमती राय ने स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के प्रतिनिधियों का भी आव्हान किया कि वह भगवान श्रीगणेश की झांकियों एवं विसर्जन मार्गों तथा स्थलों पर बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने, पूजन सामग्री को पृथक से एकत्र कर निगम द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए निर्माल्य वाहनों को ही देने हेतु श्रद्धालुजन को प्रेरित करें और शहर को साफ-स्वच्छ बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री देवेन्द्र सिंह चौहान, महापौर परिषद के सदस्य श्री आर.के.सिंह बघेल के अलावा निगम के स्वास्थ्य, झील संरक्षण एवं फॉयर ब्रिगेड के अधिकारी व विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को आई.एस.बी.टी स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में निगम अधिकारियों व स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक आहूत कर आगामी गणेश उत्सव के तहत भगवान गणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण, विसर्जन हेतु निगम द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सभी तैयारियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने निर्देशित किया कि गणेश उत्सव के तहत डोल ग्यारस से अनंत चतुर्दशी तक भगवान गणेश की प्रतिमाओं को एकत्र करने की व्यवस्था एवं भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को निर्धारित विसर्जन कुण्डों/स्थलों पर विसर्जन हेतु सभी व्यवस्थाएं बेहतर से बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाए। महापौर श्रीमती राय ने भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण स्थलों, चल समारोह मार्गों, विसर्जन कुण्डों/स्थलों के पहुंच मार्गों व आसपास के क्षेत्रों में बेहतर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल आदि की व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा के दृष्टिगत सभी आवश्यक उपकरणों सहित अमले को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने सभी स्थलों से पूजन सामग्री पृथक से एकत्र कर निष्पादन स्थल पर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रीमती राय ने बैठक में मौजूद विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों का भी आव्हान किया कि वह साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखे तथा पूजन सामग्री व अन्य प्रकार के कचरे को पृथक-पृथक एकत्र करें और पूजन सामग्री को निर्माल्य वाहन को ही देने हेतु श्रद्धालुजन को प्रेरित करें।

खेलों से व्यक्तित्व का विकास और चरित्र का निर्माण होता है: कलेक्टर

खेल दिवस पर आयोजन, प्रतिभाओं का किया सम्मान

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। आवासीय खेल परिसर में हुए इस कार्यक्रम में कई खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और खिलाडियों ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर बालागुरू के., एसपी दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन और पैरालंपिक मेडलिस्ट कपिल परमार ने किया। इस दौरान जिले का नाम रोशन करने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाडियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए कलेक्टर बालागुरू ने खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि चरित्र का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने बताया कि खेलों से मिली सीख जीवन के संघर्ष, जिम्मेदारियों और कठिन परिस्थितियों में काम आती है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर आयु वर्ग के लोगों के लिए शारीरिक गतिविधियां जरुरी हैं। कलेक्टर ने कहा बच्चों के लिए खेल सीखने और अनुशासन का साधन हैं, तो युवाओं के लिए फिटनेस और टीमवर्क का आधार। वहीं बुजुर्गों के लिए हल्के फुल्के खेल लंबी उम्र तक स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। **प्रतिभा सभी में, बस तराशने की जरुरत-** एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि मेजर ध्यानचंद की स्मृति में मनाया जाने वाला यह दिवस लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने सीहोर के खिलाडियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रतिभा सभी में होती है, बस उसे तराशने की जरूरत है। उन्होंने सभी से खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह खुद जिम्नास्टिक में नेशनल मेडलिस्ट रही हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से जो अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना आती हैए वह जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने में मदद करती है। **कई खेलों का हुआ आयोजन-** राष्ट्रीय खेल दिवस पर खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, रस्साकसी, कराटे, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग और शतरंज सहित कई खेलों का आयोजन किया गया। कलेक्टर और एसपी ने खुद मैदान में जाकर खिलाडि ?ों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत मेंए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और खिलाडि ?ों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने की शपथ दिलाई गई। सभी ने शपथ ली कि वे खुद भी खेल गतिविधियों से जुड़ेंगे और अपने परिवार व मित्रों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करेंगे।

ग्राम सेठान में भगवान बलराम जयंती मनाई गई, जीवन चरित्र पर हुई चर्चा

दैनिक भेल पॉवर

नरसिंहपुर। तहसील साईखेडा के ग्राम इकाई सेठान में भगवान बलराम जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। ग्रामवासियों ने श्रद्धाभाव से भगवान बलराम की पूजा-अर्चना की और उनके जीवन चरित्र का स्मरण किया। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी नितिन तिवारी ने भगवान बलराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान बलराम, भगवान श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ भ्राता तथा शक्ति के स्वरूप माने जाते हैं। वे धर्म और नीति के मार्गदर्शक रहे। उनका शस्त्र हल है, जो कृषि और श्रम की महत्ता को दशार्ता है। बचपन में उन्होंने पूतना, धेनुकासुर और प्रलंबासुर जैसे राक्षसों का वध कर जनमानस की रक्षा की। महाभारत काल में उन्होंने गदा-युद्ध की शिक्षा दी और सदैव धर्म की स्थापना के लिए कार्य किया। ग्रामवासियों ने भगवान बलराम का स्मरण किया और प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर श्रीकांत तिवारी, दीपक पटेल, रमाकांत शर्मा, अभिषेक धानक, सुनील, पवन धानक ,पराग तिवारी उपस्थित रहे । धार्मिक वातावरण में सभी ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया ।

किसानों को मूंग बेचने के बाद भी भुगतान से वंचित

सरकारी दावों के विपरीत बढ़ रही किसानों की परेशानियाँ

दैनिक भेल पॉवर

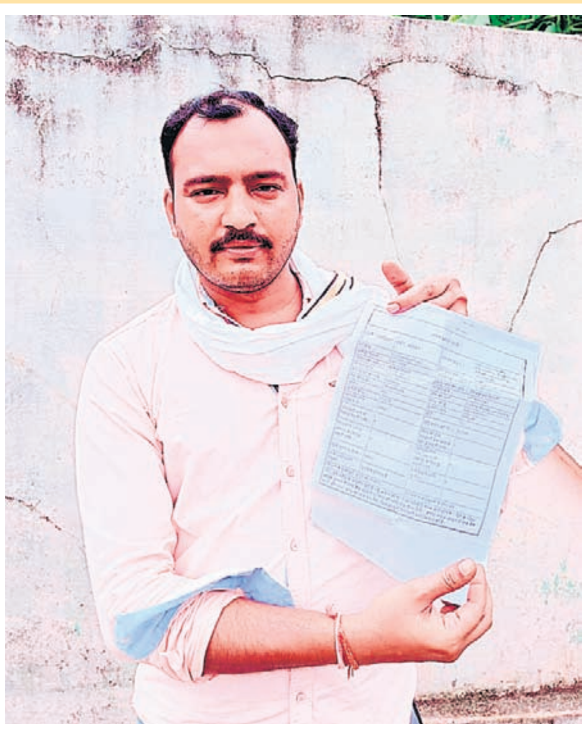

साई खेड़ा नरसिंहपुर। किसानों की आय दोगुनी करने का दावा करने वाली सरकारें आज किसानों की परेशानियाँ चार गुना करने में लगी हुई हैं। ताजा हालात यह हैं कि मूंग की खरीदी के बावजूद किसानों को भुगतान नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने बारिश में भी लाइन में 8झ्र10 दिन तक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी रखकर अपनी बारी का इंतजार किया, तब जाकर बड़ी मुश्किल से मूंग की तुलाई करवा पाए। वहीं, किसानों का आरोप है कि सर्वेयर द्वारा अधिकांश किसानों से पैसा लेकर ही मूंग की तुलाई की गई। सैंपल के नाम पर ट्रॉली तक भर ली गई, लेकिन किसान फिर भी चुपचाप सब सहते हुए अपनी उपज बेचते रहे। अब समस्या यह है कि महीना बीत जाने के बाद भी किसानों को भुगतान नहीं मिल रहा है। किसान श्रीकांत तिवारी ने बताया कि उन्होंने 24 जुलाई 2025 को मूंग बेची थी, लेकिन अब तक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। जब किसान अधिकारियों से पूछताछ करते हैं तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता—कहीं ह्लजांच चल रही हैह्व कह दिया जाता है तो कहीं टालमटोल की जाती है। किसानों का कहना है कि जब खरीदी के समय नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए थे तो अब जांच की जरूरत क्यों पड़ रही है? पहले भी अधिकारियों की लापरवाही से खरीदी प्रक्रिया में किसानों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी और अब भुगतान न मिलना किसानों को और भी मुश्किल में डाल रहा है। किसानों की चिंता यह भी है कि उन्हें समय पर खाद, दवाई और अन्य जरूरी संसाधनों के लिए भुगतान की आवश्यकता रहती है। दवाई व उधारी का पैसा समय पर न देने पर दुकानदार ब्याज वसूलते हैं, लेकिन सरकार द्वारा समय पर भुगतान न करने पर किसी प्रकार का ब्याज किसानों को नहीं मिलता। यही किसानों के साथ दोहरा व्यवहार है।आज किसान खुद को असहाय महसूस कर रहा है। सरकार को चाहिए कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द समाधान करे, अन्यथा किसान और गहरे संकट में फंसते जाएंगे।

कलेक्टर एवं सीईओ ने किया बच्चों को पोषण टोकरी का किया वितरण

एक कदम सुपोषण की ओर नवाचार की शुरूआत

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। जिले में कुपोषण को खत्म करने और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने के लिए एक नई पहल की शुरूआत की गई है। कलेक्टर बालागुरू के. और जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन ने जिला चिकित्सालय के शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) में एक कदम सुपोषण की ओर कार्यक्रम के तहत बच्चों को पोषण टोकरियों का वितरण किया। इस अवसर पर कलेक्टर बालागुरू ने कहा कि स्वस्थ और कुपोषण मुक्त बच्चे ही समाज और राष्ट्र के भविष्य की नींव हैं। उन्होंने पोषण को बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह नवाचार महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलकर शुरू किया गया है। इस पहल के तहत कुपोषित बच्चों को पोषण टोकरी दी जा रही है, जिसमें पौष्टिक मुरमुरा, तिल, मूंगफली, चना और गुड़ का पाउडर शामिल हैए ताकि उनके पोषण स्तर में सुधार हो सके। इस कार्यक्रम के साथ ही जिला अस्पताल, सीहोर ग्रामीण और श्यामपुर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किए गए, जहां 155 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञानेश खरे ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस प्रयास से सुपोषित भारत की नींव मजबूत होगी।

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फामेर्सी छात्रों को मिला करियर मार्गदर्शन, उच्च शिक्षा की राह हुई स्पष्ट

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (टढव) द्वारा में फामेर्सी में उच्च अध्ययन के भविष्य की संभावनाएँ विषय पर एक प्रेरणादायक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यूनिवर्सिटी का फोकस उद्योग-उन्मुख शिक्षा, रिसर्च आधारित लर्निंग, और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर है, जिससे छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं से निपटने की क्षमता भी प्राप्त हो। MPU में समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले सेमिनार, विशेषज्ञ व्याख्यान, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स और करियर गाइडेंस सत्र छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं। यूनिवर्सिटी का यही दृष्टिकोण इसे मध्य भारत के अग्रणी शिक्षण संस्थानों की पंक्ति में लाकर खड़ा करता है। मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (MPU) द्वारा में फामेर्सी में उच्च अध्ययन के भविष्य की संभावनाएँ विषय पर एक प्रेरणादायक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान डॉ. अंकित मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने छात्रों को GPAT जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए रणनीतिक योजना, विषयगत गहराई और समय प्रबंधन की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। यह सत्र विशेष रूप से उन छात्रों के लिए उपयोगी रहा जो फामेर्सी में स्नातकोत्तर शिक्षा और शोध में रुचि रखते हैं।

कलेक्टर ने जिले की पांचों जनपदों के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। मप्र पंचायत निर्वाचन नियम के अनुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत बालागुरू के. ने जिले की पांचों जनपद पंचायतों के लिये रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और अपील प्राधिकारी नियुक्त करता किया गया है। जारी आदेशानुसार पांचों जनपदों के लिए अपील प्राधिकारी के रूप में अपर कलेक्टर को नियुक्त किया गया है। जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत सीहोर के लिए रजिस्ट्रीकरण के कृत्यों के सम्पादन के लिए नियुक्त अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और सहायक रजिस्ट्रीकरण के कृत्यों के सम्पादन के लिए तहसीलदार सीहोर एवं श्यामपुर। इसी प्रकार जनपद पंचायत आष्टा के लिए अनुविभागीय अधिकारी आष्टा सहायक रजिस्ट्रीकरण तहसीलदार आष्टा एवं जावरए जनपद पंचायत इछावर के लिए अनुविभागीय अधिकारी इछावर सहायक रजिस्ट्रीकरण तहसीलदार इछावर। जनपद पंचायत बुधनी के लिए अनुविभागीय अधिकारी बुधनी सहायक रजिस्ट्रीकरण तहसीलदार बुधनी एवं रेहटी तथा जनपद पंचायत भैंरूंदा के अनुविभागीय अधिकारी भैंरूदा सहायक रजिस्ट्रीकरण तहसीलदार भैंरूदा को नियंक्त किया गया है।प ंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के सतत पुनरीक्षण संबधी निदेर्शों के अंतर्गत मतदाता सूची तैयार करने का कार्य करेंगे।

इछावर बैकुंठ धाम आश्रम: आस्था का केंद्र या चमत्कार का दावा

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। जिले की इछावर तहसील के गांव लसुडि ?ा राम में स्थित बैकुंठ धाम आश्रम आजकल लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां के महंत बनवारी लालजी के दरबार में अपनी परेशानियों का हल ढूंढने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। आश्रम के अनुयायियों का दावा है कि यहां आने से हर तरह की समस्याए बीमारी और यहाँ तक कि बांझपन जैसी गंभीर परेशानियां भी दूर हो जाती हैं। लोगों का कहना है कि जहां डॉक्टर और दवाइयां काम नहीं आतीं, वहां महंत बनवारी लाल की दी हुई भभूत से ही बड़े से बड़े रोग ठीक हो जाते हैं। **आस्था और कहानियों का संगम-** जब बैकुंठ धाम आश्रम जाकर हकीकत जानने की कोशिश की गई तो वहां बड़ी संख्या में लोग अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे थे। विक्रम नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि वह कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित थे और कई बड़े डॉक्टरों को दिखाने के बाद भी उन्हें कोई आराम नहीं मिला। उनका दावा है कि बैकुंठ धाम आश्रम आने के बाद उनका कैंसर ठीक हो गया। इसी तरह दीपक यादव ने बताया कि उनका बेटा बोल नहीं पाता था, लेकिन आश्रम में बाबा के पास आने के बाद उसकी आवाज आ गई। ऐसे कई लोग वहां मिले, जिनके पास अपनी पीड़ा दूर होने की कहानिया थीं और ये कहानियां ही लोगों को यहां खींच रही हैं। चमत्कार या अंधविश्वास जहां एक ओर लोग इन दावों पर विश्वास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इसे अंधविश्वास भी मान रहे हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ऐसे दावों की पुष्टि करना संभव नहीं है। लेकिन यह सच है कि इस आश्रम में लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

आज हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यान चंद के जन्म दिवस 29 अगस्त को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। बीएचईएल, भोपाल के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आज हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यान चंद के जन्म दिवस 29 अगस्त को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री विपुल अग्रवाल, महाप्रबंधक (एमएम) एवं अध्यक्ष, भेल खेल प्राधिकरण, श्री गौतम मजूमदार, महाप्रबंधक (सीएमजी, पीएमजी, सीसी एवं डीटीजी), श्री आलोक सेंगर, महाप्रबंधक (फेब्रिकेशन), श्री टी यू सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं.), श्री पवन कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (वित्त), श्री जन्मेजय शर्मा, महाप्रबंधक (वित्त), डॉ. श्रीमती अल्पना तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, श्री हेमराम पटेल, महाप्रबंधक (एससीआर), श्री विनोदानन्द झा, महाप्रबंधक (पीएंडपीआर) ने बीएचईएल, खेल में प्राधिकरण में मेजर ध्यान चंद को श्रृद्धांजलि देते हुए उनके फोटो पर माल्यार्पण किया । इसके पश्चात श्री विपुल अग्रवाल ने सभी को फिट इंडिया की शपथ दिलाई । कार्यक्रम में तायकोंडो के खिलाड़ियों ने अपने करतब का प्रदर्शन किया । राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 30 अगस्त, 2025 को भेल शिक्षा मंडल के विद्यालयों में खेल से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन एवं 31 अगस्त, 2025 को बीएचईएल खेल प्राधिकरण के एथलेटिक्स मैदान से प्रातः 7.00 बजे साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा । कार्यक्रम में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रतिनिधि श्री विवेकानंद जी, सीआईएसएफ, भोपाल के श्री अस्थाना एवं श्री पी के झा, सहायक कमाण्डेण्ट, श्री वी एस चौहान, अपर महाप्रबंधक (स्पोर्ट्स), सभी यूनियनों के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं खेल प्रेमी मौजूद थे । अपने संबोधन में श्री विपुल अग्रवाल ने कहा कि सब मेजर ध्यान चंद जी को इसलिए भी याद करते हैं कि हमें उनके जीवन से प्रेरणा मिले । वहीं श्री टी यू सिंह ने कहा कि मेजर ध्यान चंद जी हॉकी के जादूगर के रूप में प्रसिद्ध हुए और उन्होंने अपने असाधारण कौशल और गोल स्कोरिंग से भारत को विश्व मंच पर स्थापित किया । इस अवसर पर श्री विवेकानंद ने मादक पदार्थों के सेवन के दुष्परिणाम के बारे में अवगत कराया एवं भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय नारकोटिक्स निः शुल्क 2407 हेल्पलाइन संख्या झ्र 1933 के उपयोग के बारे में अवगत कराया । अंत में मुख्य अतिथि श्री विपुल अग्रवाल ने महिलाएं एवं पुरूषों की दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया ।

मध्यप्रदेश के कण-कण में है सौंदर्य

(लेखक मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन हैं)

मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है।

डॉ. मोहन यादव

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्यप्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है। मध्यप्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी। प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहुआयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है। प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है। चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है। सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यानऔर बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों मेंसुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरूआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है। ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफऑनरदिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नवीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्यका सबसे शुरूआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है। इस मंदिर को दुनिया में 'टैंपल ऑफ जीरो' के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया। धार्मिक महत्व के स्थलों में धार्मिक और सांस्कृतिक लोगो और स्मारकों का निर्माण आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम देगा। संत रविदास लोक सागर, रानी दुर्गावती स्मारक जबलपुर, देवी लोक सलकनपुर सीहोर, श्री रामराजा लोक ओरछा, जाम सांवली श्री हनुमान लोक पांढुर्ना, श्री पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, श्री परशुराम लोक जानापाव महू, महाराणा प्रताप लोक भोपाल, भादवामाता लोक नीमच, रानी अवंतीबाई स्मारक जबलपुर, माँ नर्मदा महालोक अमरकंटक अनूपपुर, देवी अहिल्या लोक खरगौन और नागलवाड़ीलोक बड़वानी में किया जा रहा है। एक ओरजहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निमार्ताओं को मध्यप्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही हैं। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग मध्यप्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिनमें से 63 पर्यटन ग्राम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। देश के पहले हैंडलूम गाँव प्राणपुर को वैश्विक पहचान मिली है। गॉड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट जैसी जनजातीय कलाओं से पर्यटक परचित हुए हैं। हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उद्योग का निरंतर विस्तार हो, ताकि पर्यटन की संभावनाओंकोपूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटक प्रदेश में आये, जो एक रिकार्डहै। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना और पेंच में आवागमन बढ़ा है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश ने आर्थिक निवेश के द्वार खोले हैं, पर्यटन क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ा है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी, उद्योग समूहों के सहयोग और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से पर्यटन का क्षेत्र मध्यप्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

संघ की शताब्दी और नई शिक्षा नीति : हिंदुत्व के पुनर्जागरण का संकल्प

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

(विज्ञान भवन, नई दिल्ली - 28 अगस्त 2025, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का बौद्धिक)

शताब्दी का समापन : नया संकल्प- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने 100 वर्षों की यात्रा पूरी की है। 26 से 28 अगस्त 2025 तक नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 100 वर्ष की संघ यात्रा - नए क्षितिज व्याख्यानमाला में संघ की ऐतिहासिक भूमिका, वर्तमान योगदान और भविष्य की दिशा पर विमर्श हुआ। अंतिम दिन (28 अगस्त) को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का बौद्धिक हुआ, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से नई शिक्षा नीति और हिंदुत्व के जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डाला। इस भाषण ने न केवल संघ के वैचारिक दृष्टिकोण को स्पष्ट किया बल्कि यह भी बताया कि आने वाले समय में भारत के राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला शिक्षा और हिंदुत्व ही होंगे। नई शिक्षा नीति : औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति भागवत जी ने कहा कि आजादी के बाद भी हमारी शिक्षा पद्धति पूरी तरह औपनिवेशिक ढांचे से मुक्त नहीं हो पाई। अंग्रेजों ने शिक्षा को केवल क्लर्क और नौकरीपेशा वर्ग तैयार करने का औजार बनाया। परिणामस्वरूप भारतीयता, संस्कार और आत्मबोध शिक्षा से गायब होते चले गए। नई शिक्षा नीति (2020) इसी स्थिति को सुधारने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि ऐसे मनुष्य गढ़ना है जो अपने समाज और संस्कृति के प्रति सजग हों। यह शिक्षा नीति भारत को आत्मनिर्भर, आत्मगौरव से पूर्ण और सांस्कृतिक दृष्टि से जागृत बनाएगी। मातृभाषा आधारित शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा नई शिक्षा नीति की एक बड़ी विशेषता मातृभाषा में शिक्षा देना है। भागवत जी ने कहा कि बच्चे को अपनी मातृभाषा में ज्ञान अधिक सहज और गहराई से मिलता है। संस्कृत, योग, आयुर्वेद, वेदांत, नीतिशास्त्र, साहित्य और भारतीय गणित की परंपरा को शिक्षा में स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह नीति केवल अतीत की ओर लौटना नहीं है, बल्कि अतीत की जड़ों से भविष्य का नवाचार करना है। शिक्षा का उद्देश्य : रोजगार नहीं, जीवन संतुलन भागवत जी ने जोर दिया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्ति नहीं है। शिक्षा का मुख्य लक्ष्य चरित्र निर्माण और जीवन संतुलन होना चाहिए। आधुनिक विज्ञान और तकनीक का स्वागत है, लेकिन वह मानवता के विरोध में नहीं, बल्कि उसके अनुकूल होना चाहिए। शिक्षा को कर्तव्यपरायण, समाजनिष्ठ और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने की प्रक्रिया माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं है, धर्म का अर्थ है झ संतुलन। और शिक्षा का कार्य है, इस संतुलन को समाज और जीवन में स्थापित करना। हिंदुत्व : भारत की आत्मा अपने बौद्धिक में सरसंघचालक जी ने स्पष्ट किया कि हिंदुत्व कोई संकीर्ण धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि भारत की जीवनशैली और संस्कृति का मूल स्वरूप है। इसमें विविधता में एकता की अवधारणा है। हिंदुत्व का सार वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः में प्रकट होता है। उन्होंने कहा - भारत की पहचान हिंदुत्व है। संघ उसी हिंदुत्व का प्रतीक और व्यवहारिक स्वरूप है। युवाशक्ति : राष्ट्र के भविष्य का आधार भागवत जी ने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि - आज भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा जनसंख्या है। लेकिन केवल करियर और भौतिक सफलता ही पर्याप्त नहीं है। युवा अगर कर्तव्य, अनुशासन और समाजसेवा को जीवन में अपनाएँ तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। नई शिक्षा नीति युवाओं में सृजनशीलता, उद्यमिता और संस्कार पैदा करने का माध्यम है। शाखा और संघ : हिंदुत्व का अभ्यास संघ की शाखाओं को भागवत जी ने केवल संगठनात्मक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन साधना बताया। शाखा में अनुशासन, एकात्मता और समाजभाव का अभ्यास होता है। यह हिंदुत्व को केवल विचार तक सीमित न रखकर व्यवहार और आचरण में उतारने का साधन है। समरस समाज और आत्मनिर्भर भारत सरसंघचालक ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में संघ का लक्ष्य है - 1. समरस समाज झ जाति, भाषा और क्षेत्र के भेद मिटाकर एकात्मता। 2. आत्मनिर्भर भारत झ शिक्षा, अर्थनीति और तकनीकी विकास में स्वदेशी दृष्टिकोण। 3. विश्वबंधुत्व झ भारत की संस्कृति को विश्व मानवता के कल्याण में समर्पित करना। **शताब्दी का संदेश-** विज्ञान भवन का यह व्याख्यान केवल एक भाषण नहीं, बल्कि आने वाले शताब्दी काल का घोषणापत्र था। भागवत जी ने नई शिक्षा नीति को भारतीय अस्मिता के पुनर्जागरण का उपकरण बताया। हिंदुत्व को राष्ट्रीय जीवन का मूल स्वर घोषित किया। और संघ को उस हिंदुत्व का जीवंत प्रतीक बताया। संघ का शताब्दी संकल्प संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि- सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का 28 अगस्त का बौद्धिक संघ को हिंदुत्व का प्रतीक और नई शिक्षा नीति को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला के रूप में स्थापित करता है। यह विचार केवल संगठन की आंतरिक दृष्टि नहीं, बल्कि पूरे भारत के सांस्कृतिक भविष्य का मार्गदर्शन है। शताब्दी वर्ष का यह संदेश है कि हिंदुत्व और शिक्षा के संगम से ही भारत विश्वगुरु बनेगा।

संपादकीय

सेलिब्रिटीज, सामाजिक और नैतिक जवाबदारी को समझें

आज के दौर में जब समाज तेजी से बदल रहा है। तब नेतृत्व करने वाले सेलिब्रिटीज की भूमिका केवल दिशा दिखाने तक सीमित नहीं रह सकती है। उन्हें समझना होगा, उनके शब्द, व्यवहार, आचरण और निर्णय का आम लोगों पर गहरा असर होता है। सेलिब्रिटीज चाहे राजनीतिक नेता हो, धार्मिक गुरु हो, प्रोफेसर हो या वैज्ञानिक हो या फिल्मी और खेल जगत की हस्तियां हों। सभी की लोकप्रियता आम लोगों पर गहरा प्रभाव डालती हैं। आम जनता उनका अनुसरण करती है। ऐसे में उनकी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी कई गुना अधिक बढ़ जाती है। जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ती है। उसी के साथ उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ती चली जाती है। आज के दौर में मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से नेताओं और सेलिब्रिटीज का प्रभाव करोड़ों लोगों तक स्थाई रूप से पहुंचता है। यह लंबे समय तक समाज में बना रहता है। सेलिब्रिटीज यदि किसी विचारधारा जाति धर्म संप्रदाय किसी उत्पाद, अनुचित आचरण का प्रचार करते हैं। उनका यह आचरण समाज को एकजुट करने का नहीं होता है। उनके आचरण में यदि वास्तविकता नहीं होती है। तो उसका असर समाज की सोच और जीवनशैली पर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, विज्ञापनों में तंबाकू, शराब या जंक फूड गेम्स जिनमें जुये की तरह पैसा लगाया जा रहा था। गेम्स के माध्यम से लोगों को मोबाइल के नशे से बांधा जा रहा है। इस तरह के उत्पाद सामाजिक उन्मुक्तता, नैतिकता के स्थान पर अनैतिक तरीके से पैसे कमाने को बढ़ावा देना, समाज को गलत दिशा में ले जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में हजारों लोगों ने आत्महत्या कर ली। शेयर बाजार और गेम्स में फंसकर परिवार सहित आत्महत्या करने लगे। इसी तरह राजनीतिक और धार्मिक नेताओं के गैर-जिम्मेदाराना बयान समाज में विभाजन और तनाव को जन्म दे रहे हैं। जिसके कारण सामाजिक अशांति तेजी के साथ बढ़ रही है। धार्मिक और जाति आधार पर जो वेमनष्यता बढ़ रही है। अब उसका असर घर-घर तक पहुंचने लगा है। पति-पत्नी, मां-बेटे, भाई-बहन एवं सामाजिक स्तर पर जिस तरह की हिंसक प्रवत्ति दिख रही है। वह बहुत बड़ी चिंता का कारण बन रहा है। राजनीतिक सामाजिक एवं किसी भी तरह के नेतृत्व की सबसे बड़ी कसौटी यही है। व्यक्ति अपने व्यक्तिगत लाभ के साथ-साथ परिवार एवं समाज के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता मे रखे। नेतृत्वशीलता केवल अपने हित साधन में रहेगी, तो उनकी विश्वसनीयता और नैतिक बल दोनों ही कमजोर हो जाते हैं। कुछ समय के लिए जरूर फायदा हो जाता है। जब स्थितियां सामने आती हैं, तब उन्हें दीर्घकालीन नुकसान ही होता है। आम जनता जिनके ऊपर अघाध विश्वास करती थी, फिर वह कभी उन पर विश्वास नहीं कर पाती है। ईमानदारी, संयम और दूरदृष्टि के साथ नैतिकता के साथ सेलेब्रिटी अपना दायित्व पूरा करते हैं। वह न केवल समाज बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित कर, परिवार एवं समाज के बीच यश के साथ बने रहते हैं। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में यह और भी जरूरी है।

(विचार-मंथन)

घोड़े की नाल की अंगूठी पहनना सही है या गलत? जानिए क्या कहते हैं प्रेमानंद जी महाराज

शनि दोष से छुटकारा पाने के लिए अक्सर लोग घोड़े की नाल की अंगूठी पहनते हैं। लेकिन क्या सच में घोड़े की नाल की अंगूठी पहनने से शनि की पीड़ा से मुक्ति मिलती है? आइए जानते हैं इस बारे में क्या कहते हैं प्रेमानंद जी महाराज... प्रेमानंद महाराज से जानिए घोड़े की नाल पहनना चाहिए या नहीं वास्तु शास्त्र में घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और शुभ फल पाने के लिए घोड़े की नाल को दरवाजे पर लगाने की परंपरा प्रचलित है। माना जाता है कि इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और बुरी नजर दूर रहती है। वहीं, शनि की साढ़ेसाती या ढैया के प्रभाव से बचने के लिए लोग अक्सर घोड़े की नाल की अंगूठी पहनते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में घोड़े की नाल की अंगूठी पहनने से लाभ होता है या फिर यह केवल एक मान्यता और भ्रम है? बता दें कि हाल में ही प्रेमानंद महाराज जी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमें एक भक्त उनसे पूछ रहा है कि घोड़े की नाल पहननी चाहिए कि नहीं। तो चलिए जानते हैं कि इस बारे में क्या कहते हैं प्रेमानंद जी महाराज घोड़े की नाल की अंगूठी पहनना चाहिए या नहीं? इन दिनों प्रेमानंद जी महाराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। इसमें एक भक्त ने उनसे पूछा कि ह्यशनि की दुष्प्रभावों को कम करने के लिए क्या घोड़े की नाल धारण करना शुभ होता है? इस प्रश्न पर महाराज जी ने बहुत ही सरल लेकिन गहरी बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी वस्तु को पहनने या धारण करने से पहले उसके आध्यात्मिक महत्व और ऊर्जा के प्रभाव को समझना चाहिए। केवल अंधविश्वास के आधार पर किसी चीज को अपनाना सही नहीं होता है। अमीर बनना चाहते हैं तो घर में रखें ये 5 चीजें, वास्तु के अनुसार कभी नहीं होगी पैसों की तंगी और हमेशा बनी रहेगी बरकत प्रेमानंद महाराज जी कहते हैं कि यदि घोड़े की नाल पहनने से ही खुशियां और सौभाग्य मिलना संभव होता, तो सबसे अधिक सुख तो घोड़े को ही मिलना चाहिए। वह अपने पैरों में इस नाल को लगाकर दिन-रात मेहनत करता है, कठिन रास्तों पर दौड़ता है और दर्द सहते हुए भी कई किलोमीटर की दूरी तय करता है। ऐसे में उस नाल में उसका परिश्रम और पीड़ा समाई होती है। अब सोचिए, जो नाल स्वयं घोड़े के दुख और थकान से जुड़ी है, वह इंसान को कैसे सुख और समृद्धि दे सकती है? महाराज जी का स्पष्ट संदेश है कि नाल, दांत या किसी भी बाहरी वस्तु से जीवन की परेशानियां दूर नहीं होतीं।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेष: शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। हालाँकि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा, लेकिन पैसे का लगातार पानी की तरह बहते जाना आपकी योजनाओं में रुकावट पैदा कर सकता है। आपका अड़ियल रवैया घर पर लोगों के दिलों को चोट पहुँचा सकता है, यहाँ तक कि नजदीकी दोस्त भी आहत हो सकते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभ: ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौकों का भरपूर फायदा उठाएंगे। आप घूमने-फिरने और पैसे खर्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज्यादा खर्च करने से बचें। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड खराब हो सकता है। खाली समय में आज आप अपने मोबाइल पर कोई वेब सीरीज देख सकते हैं।

मिथुन: क, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा ।

मिथुन: अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करना आपकी सेहत को भी बेहतर करेगा। लेकिन खयाल रखें कि इसे नजरअंदाज करना बाद में भारी पड़ सकता है। आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। जिन लोगों से आपकी मुलाकात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। रोमांस आपके दिल-दिमाग पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाकात अपने प्रिय से होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्क: व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। माता-पिता के साथ अपनी खुशियाँ साझा करें। उन्हें महसूस करने दें कि आपके लिए उनकी कितनी अहमियत है, इससे उनका अकेलेपन का एहसास अपने आप खत्म हो जाएगा। हमारी जिंदगी का क्या फायदा, अगर हम एक-दूसरे का जीवन आसान न बना सकें। दूसरों को खुशियाँ देकर और पुरानी गलतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। खाली समय में आज आप अपने मोबाइल पर कोई

सिहं: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंह: अच्छी चीजों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग खुला रहेगा। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। घरेलू मामलों और काफी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। अगर आज आप खरीदारी के लिए निकलते हैं, तो कोई अच्छी पोशाक ले सकते हैं। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत खर्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ उठा पाएंगे। आज किसी शादी में जा सकते हैं,

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। जो उधारी के लिए आपके पास आएँ, उन्हें नजरअन्दाज करना ही बेहतर रहेगा। जीवनसाथी आपका खयाल रखेगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुला: पिता आपको जायदाद से बेदखल कर सकते हैं। लेकिन निराश न हों। ध्यान रखें कि संपन्नता दिमाग को जंग लगा देती है और कठिनाई उसे पैना करती है। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। आज आप खुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज से आज का दिन बहुत खूबसूरत रहेगा। बातचीत में कुशलता आज आपका मजबूत पक्ष साबित होगी।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिक: आपका तल्ख रवैया दोस्तों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। माता-पिता के साथ अपनी खुशियाँ साझा करें। उन्हें महसूस करने दें कि आपके लिए उनकी कितनी अहमियत है, इससे उनका अकेलेपन का एहसास अपने आप खत्म हो जाएगा। हमारी जिंदगी का क्या फायदा, अगर हम एक-दूसरे का जीवन आसान न बना सकें। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनु: सामाजिक मेलजोल से ज्यादा सेहत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मजबूत बनाएगा। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। शांति का दामन पकड़कर आज आप सब लोगों से बातें करेंगे।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकर: कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दीर्घावधि मुनाफे के नजरिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। बच्चे खेल-कूद और दूसरी बाहरी गतिविधियों पर ज्यादा वक़्त खर्च करेंगे। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। यह दिन आपके जीवनसाथी के रूमानी पहलू को भरपूर तरीके से दिखाएगा। शादीशुदा हैं तो आज आपके बच्चे की कोई शिकायत घर पर आ सकती है जिससे आप परेशान हो जाएंगे।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके लंबे समय से रुके हुए काम करने में भी आसानी होगी। आपके विरोधी भी आपके मित्र बन सकते हैं, जिन्हें देखकर आपको खुशी होगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी से मांगकर वाहन ना चलाएं। संतान की संगति पर आपको विशेष ध्यान देना होगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपकी किसी बात से आज परिवार में बेवजह का लड़ाई झगड़ा खड़ा हो सकता है।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीन: आज का दिन आपके लिए कोई निवेश बहुत ही सोच समझकर करने के लिए रहेगा। कामकाज में आपकी काफी रुचि रहेगी। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी, जिससे उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे, तो आप उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। आप अपने घर के साथ-साथ कुछ नयी वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। आपको कोई बहलाने फुसलाने की कोशिश करेगा, जिसका असर आपके कामों पर पड़ेगा, लेकिन आपको ऐसा नहीं करना है।

बिग बॉस के घर में किया खुलासा

अमाल मलिक की स्कूल क्रश थीं श्रद्धा कपूर

बिग बॉस का लेटेस्ट सीजन 19 शुरू हो चुका है. शो को शुरू हुए कुछ ही दिन हुए हैं और लोगों को इसे देखने में मजा आने लगा है. सेलेब्स अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में धीरे-धीरे एक-दूसरे को बता रहे हैं. सिंगर अमाल मलिक ने भी बिग बॉस के घर में अपने स्कूल के दिनों को याद किया. उन्होंने खुलासा किया कि श्रद्धा कपूर उनके स्कूल के दिनों की क्रश थीं.अमाल ने शो में खुलासा किया कि श्रद्धा कपूर उनकी सीनियर थीं. जिनकी सादगी और नेचर के वो फैन थे. अमाल ने कहा- %स्कूल में भी डेंटर पहन के आती थीं, मेरी सीनियर थी. मेरी स्कूल की क्रश थीं और इंसान भी इतनी स्वीटहार्ट.%

अमाल ने श्रद्धा की सोशल मीडिया प्रिसेंस की भी तारीफ की. उन्होंने कहा- %पूरे इंटरनेट पर सबसे असली फॉलोइंग उस लड़की की है, बिना कुछ किए.% बता दें अमाल पिछले साल से सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं. पिछले साल उन्होंने अपने क्लीनिकल डिप्रेशन के बारे में बताया था साथ ही फैमिली के साथ मतभेद के बारे में भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था.

बिग बॉस की बात करें तो 25 अगस्त से नया सीजन शुरू हो चुका है. ये शो कलर्स चैनल से पहले जियो हॉटस्टार पर आ रहा है. जो लोग इसे टीवी पर नहीं देख पाते हैं वो पहले ही ऑनलाइन देख लेते हैंबिग बॉस 19 में इस साल गौरव खन्ना, कुनिका सदानंद, अवेज़ दरबार, नगमा मिराजकर, अमाल मलिक, अशनूर कौर, ज़ीशान क़ादरी, अभिषेक बजाज, नतालिया जानोसज़ेक, फरहाना भट्ट, मृदुल तिवारी, नीलम गिरी, प्रणित मोरे, बसीर अली, तान्या मित्तल और नेहल आए हैं. शो में अभी से लड़ाईयां शुरू हो चुकी हैं. कभी को खाने को लेकर लड़ रहा है तो कभी किसी को किसी के एटिट्यूड से प्रॉब्लम आ रही है.

बिग बॉस के घर से बाहर आकर एक साल ली थेरेपी

शमिता शेट्टी बिग बॉस ओटीटी के बाद हो गई थीं अग्रेसिव

बॉलीवुड अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने करण जौहर द्वारा होस्ट किए गए बिग बॉस ओटीटी के पहले सीज़न में हिस्सा लिया था. वहीं अभिनेत्री ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इस शो ने उन्हें पहचान तो दिलाई, लेकिन उनकी मेंटल हेल्थ पर भी इसका असर पड़ा. शमिता ने बताया कि शो खत्म होने के बाद बिग बॉस के घर के अंदर के तनावपूर्ण माहौल ने उन्हें बेहद डिस्टर्ब कर दिया था, यहाँ तक कि उन्हें लगभग एक साल तक प्रोफेशनल थेरेपी की ज़रूरत पड़ी.दरअसल, शमिता ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू के दौरान बताया, लेकिन जब मैं बिग बॉस से बाहर आई, तो मुझे एक साल तक थेरेपी की ज़रूरत पड़ी क्योंकि मैं समझ नहीं पा रही थी कि मेरे आस-पास क्या हो रहा है या सही तरीके से कैसे रिएक्शन दूं. उन्होंने आगे बताया कि शो में रियलिटी और फिक्शन के बीच धुंधली रेखा ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया. उन्होंने आगे कहा, मेरी रियलिटी और फिक्शन एक-दूसरे में घुल-मिल गई थीं, जिससे मेरे दिमाग में बहुत कंफ्यूजन पैदा हो रहा था.शमिता ने आगे खुलासा किया, देखिए, मैं बहुत ज़्यादा परेशान होकर बाहर आई थी. मैं पहले से ही एंग्जाइटी से जूझ रही थी, इसलिए इसने मेरे लिए सिचुएशन को और भी बदतर बना दिया. मुझे लगता है कि जब मैं बाहर आई तो मैं थोड़ी एग्रेसिव भी हो गई थी, और मुझे लगता है कि घर ने मेरे साथ ऐसा किया. क्योंकि मैं लगातार लड़ रही थी. अभिनेत्री ने बिग बॉस ओटीटी के घर के अंदर रोज़ाना होने वाले झगड़ों को याद करते हुए बताया कि कैसे मामूली बहस भी भारी पड़ जाती थी.शमिता ने कहा, कल्पना कीजिए, लगभग हर सुबह उठकर लोग टूथपेस्ट जैसी बेवकूफी भरी चीज़ों के लिए एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं।

शाहरुख-दीपिका पर दर्ज हुआ केस

डिफेक्टिव कार की ब्रांडिंग से जुड़ा है विवाद

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और सुपरस्टार दीपिका पादुकोण इस समय एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। राजस्थान के भरतपुर में दोनों सितारों के खिलाफ एक स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। आरोप यह है कि उन्होंने एक ऐसी कार के विज्ञापन में काम किया, जिसमें गंभीर तकनीकी खामियां पाई गईं। मामला केवल इन दोनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हुंडई इंडिया के कई शीर्ष अधिकारियों और शोरूम मालिकों को भी आरोपी बनाया गया है।

भरतपुर के वकील कीर्ति सिंह ने अदालत में शिकायत दर्ज करवाई थी। उनका कहना है कि उन्होंने जून 2022 में लगभग 24 लाख रुपये खर्च कर एक कार खरीदी थी। कार खरीदने के कुछ ही महीनों बाद उसमें कई तकनीकी समस्याएं आने लगीं।कीर्ति सिंह का दावा है कि इस खराबी के चलते कई बार हादसा होते-होते बचा। जब उन्होंने शोरूम और कंपनी से शिकायत की, तो उन्हें बताया गया कि यह मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट है जिसे पूरी तरह से सही नहीं किया जा सकता।वकील ने बताया कि शोरूम अधिकारियों ने उन्हें एक अजीब सुझाव दिया। उनका कहना था कि जब भी कार में समस्या आए तो उसे किसी सुरक्षित स्थान पर रोककर लगभग 1 घंटे तक खड़े-खड़े 2000 आरपीएम पर चलाते रहें। इसके बाद माल फंक्शन का साइन गायब हो जाएगा और कार दोबारा चलने लगेगी।कीर्ति सिंह ने कहा कि वे पिछले कई महीनों से इसी तरीके से गाड़ी चला रहे हैं, लेकिन समस्या बार-बार आ रही है। इससे उनका पैसा, समय और मानसिक शांति सब बर्बाद हो रहा है। कीर्ति सिंह ने अपनी शिकायत में यह भी कहा कि उन्होंने यह कार शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के विज्ञापन देखकर खरीदी थी। उनके मुताबिक, जब किसी सेलिब्रिटी के नाम और चेहरे का इस्तेमाल किसी ब्रांड की मार्केटिंग में होता है, तो ग्राहक उस पर भरोसा करता है।Consumer Protection Act, 2019 के तहत यदि किसी उत्पाद के विज्ञापन में गलत या गुमराह करने वाली जानकारी दी जाती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल कंपनी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि ब्रांड एंबेसडर पर भी आ सकती है। ऐसे मामलों में CCPA (Central Consumer Protection Authority) द्वारा उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है।यह मामला सबसे पहले भरतपुर की ष्टछ्वरूकोर्ट नं. 2 में एक निजी शिकायत के रूप में दायर हुआ था। कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए मथुरा गेट थाने को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।पुलिस ने अब धारा 420 (धोखाधड़ी) और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मथुरा गेट थाने के स्नढ्ढ राधा किशन ने पुष्टि की है कि गाड़ी में खराबी की शिकायत को लेकर मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच जारी है। शाहरुख खान का नाम हुंडई इंडिया से दशकों से जुड़ा हुआ है।

अनन्या, सारा, भूमि ने

अपने अंदाज में किया गणपति बप्पा का स्वागत

बॉलीवुड में भगवान गणेश का अपने घरों में स्वागत होने के साथ ही उत्सव की भावना पूरे जोरों पर है, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी समारोह की शुरुआत हो रही है। अपार खुशी और उत्सव के उत्साह के साथ, फिल्म उद्योग के सितारे इस शुभ अवसर की परंपराओं और अनुष्ठानों में खुद को विसर्जित करते हुए, प्रिय गणपति बप्पा को घर ले आए हैं। बुधवार को अभिनेत्री अनन्या पांडे भगवान गणेश को घर लेकर आईं और इंस्टाग्राम पर परिवार के साथ उनके आगमन और उत्सव की तस्वीरें साझा कीं।

अनन्या ने लिखा, मेरे पसंदीदा बप्पा का घर में स्वागत है। सफेद पोशाक पहने अनन्या ने गणपति और अपने परिवार के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने परिवार के साथ गणेश चतुर्थी मनाई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस उत्सव की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। उत्सव की एक झलक में भूमि को अपनी बहन और परिवार के सदस्यों के साथ गणपति बप्पा के लिए गीत गाते हुए देखा जा सकता है। भूमि पेडनेकर द्वारा साझा की गई एक पोस्ट अभिनेत्री करीना कपूर ने भी इंस्टाग्राम पर अपने गणेश चतुर्थी समारोह की एक झलक पेश की, जिसमें उनके बेटे जेह को गणपति बप्पा से आशीर्वाद लेते देखा जा सकता है। अभिनेत्री सारा अली खान, जो त्योहारों को मनाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं, ने भी इंस्टाग्राम पर गणेश चतुर्थी समारोह की तस्वीरें पोस्ट कीं।

सारा ने कैप्शन में अपनी भावनाएं साझा कीं, जहां उन्हें अपने घर की याद आ रही है, हैप्पी गणेश चतुर्थी आज घर की याद आ रही है, लेकिन काम करने और वो करने के लिए शुक्रगुज़ार हूँ जो मुझे सबसे ज़्यादा पसंद है। शुक्रिया बप्पा, मुझे वो सब देने के लिए जो आपके पास है। बॉलीवुड जोड़ी रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने अपने घर पर गणपति बप्पा का स्वागत किया।

एंडटीवी के कलाकारों खुशी और उमंग के साथ किया ने बप्पा का स्वागत

हर साल की तरह इस बार भी आपके पसंदीदा एंडटीवी कलाकारों ने गणेश चतुर्थी को बड़ी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया। सभी ने बप्पा का घर में स्वागत किया ढेर सारा प्यार, प्रार्थना और खास तैयारियों के साथ। किसी ने घर में इको-फ्रेंडली मूर्ति लाई, तो किसी ने अनोखी सजावट और स्वादिष्ट पकवानों से उत्सव को खास बना दिया। इन कलाकारों में शामिल हैंरू पारस अरोड़ा (जीतू, घरवाली पेड़वाली), सपना सिकरवार (बिमलेश, हप्पू की उलटन पलटन) और रोहिताश्व गौर (मनमोहन तिवारी, भाभीजी घर पर हैं)।

पारस अरोड़ा, यानी घरवाली पेड़वाली के जीतू कहते हैंर हमने बप्पा को डेढ़ दिन के लिए घर बुलाया है और परिवार में उत्साह का ठिकाना नहीं है। हर साल मैं इको-फ्रेंडली मूर्ति ही लाता हूँ और बचपन से ही सजावट की जिम्मेदारी मेरी रही है, चाहे शेड्यूल कितना भी व्यस्त क्यों न हो। इस साल सजावट में परंपरा और आधुनिकता दोनों का मेल है। माँ ने हमेशा की तरह बप्पा के लिए स्वादिष्ट प्रसाद बनाए उकडीचे मोदक, लड्डू और कई तरह के पकवान। आस-पड़ोस और रिश्तेदार भी दर्शन के लिए आते हैं, जिससे घर का माहौल और भी खुशहाल हो जाता है। मेरे लिए गणेश चतुर्थी केवल पूजा-पाठ नहीं है, बल्कि परिवार और दोस्तों के साथ जुड़ाव और बप्पा का आशीर्वाद पाने का समय है। घर में प्यार, सकारात्मकता और एकता का वातावरण है, जो इन पलों को वाकई खास बना देता है। गणपति बप्पा मोरया!

सपना सिकरवार, जो हप्पू की उलटन पलटन में बिमलेश का किरदार निभाती हैं, कहती हैं गणपति बप्पा हमेशा हमारे घर में अपार खुशी और दिव्य ऊर्जा लेकर आते हैं। इस साल हमारी मूर्ति गुलाबी और सफेद रंग की है, जो शांति और सकारात्मकता का प्रतीक है। सजावट ताजे फूलोंकृलिली और डैफोडिल्स से की गई है, जिससे पूरा घर एक दिव्य बगीचे जैसा लग रहा है। मैं बप्पा के लिए मोदक और अन्य पकवान बनाती हूँ। इस बार मेरी सह-कलाकार और रील लाइफ बहन, गीतांजलि मिश्रा (राजेश), भी मेरे साथ मिलकर सजावट और पकवानों की तैयारी में शामिल हुईं। जब हमारे शो के बाकी कलाकार भी दर्शन के लिए घर आते हैं, तो यह और भी यादगार हो जाता है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना की असहमति के कारणों को जानने का जनता को अधिकार : पूर्व जज

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉलेजियम में जस्टिस बी वी नागरत्ना की कड़ी असहमति के बावजूद पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विपुल पंचोली को पदोन्नति दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अभय एस ओका ने कहा है कि इस मामले में जस्टिस बीवी नागरत्ना की असहमति के कारणों को जानने का जनता को अधिकार है। इस साल मई में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए जस्टिस ओका ने इस बात पर भी सहमति जताई कि कॉलेजियम की मीटिंग में जस्टिस पंचोली पर जस्टिस नागरत्ना की असहमति का विवरण भी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए था। उड़ीसा हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस मुरलीधर द्वारा संपादित पुस्तक (इन) कम्प्लीट जस्टिस द सुप्रीम कोर्ट एट 75 के विमोचन के अवसर पर जस्टिस ओका ने वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अगर कॉलेजियम में एक भी सहमति है तो उस पर गौर किया जाना चाहिए।

इंदिरा जयसिंह ने पूछे थे सवाल

जयसिंह ने जस्टिस मुरलीधर और जस्टिस ओका और राजनीतिक विज्ञानी गोपाल गुरु वाले पैनल से कॉलेजियम की कार्यप्रणाली के बारे में पूछा, जो गोपनीयता में काम करता है और वह ऐसे समय में भारत के भावी प्रधान न्यायाधीशों के चयन के मानदंड के बारे में जानना चाहती थीं, जब उच्चतम न्यायालय की एकमात्र महिला न्यायाधीश द्वारा असहमति जताई गई है।

पारदर्शिता और गोपनीयता में संतुलन भी जरूरी

जयसिंह के सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस ओका ने कहा, आप सही कह रही हैं कि एक जज ने असहमति जताई है। हमें यह जानना चाहिए कि वह असहमति क्या है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। आपको यह आलोचना करने का हक़ है कि वह असहमति सार्वजनिक क्यों नहीं हुई। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि असहमति का खुलासा तो होना ही चाहिए, लेकिन कॉलेजियम की कार्यवाही में पूरी पारदर्शिता को पदोन्नति के लिए विचार किए जाने वाले वकीलों की गोपनीयता के साथ संतुलित किया जाना चाहिए, जिनमें से कई चयनित न होने पर वकालत की प्रैक्टिस में लौट जाते हैं।

जस्टिस नागरत्ना की असहमति क्या?

सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति नागरत्ना ने पंचोली की अपेक्षाकृत कम वरिष्ठता, जुलाई 2023 में गुजरात से पटना उच्च न्यायालय में उनके स्थानांतरण पर सवाल और उच्चतम न्यायालय में प्रतिनिधित्व में क्षेत्रीय असंतुलन की चिंताओं का हवाला देते हुए सिफारिश का विरोध किया था। अब जस्टिस पंचोली अगर सुप्रीम कोर्ट में जज बनते हैं तो जस्टिस जॉयमाल्या बागची की सेवानिवृत्ति के बाद अक्टूबर 2031 में वह देश के प्रधान न्यायाधीश बनने की दौड़ में शामिल हो जाएंगे।

वकीलों की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है

जस्टिस ओका ने कहा, यह सवाल बेहद चिंताजनक है, लेकिन मैं कहता रहा हूं कि हमें पारदर्शिता को परिभाषित करना होगा। ओका ने स्पष्ट किया कि यदि कॉलेजियम के विचार-विमर्श और विवरण को सार्वजनिक किया जाता है, तो इससे उन वकीलों की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है, जिन्होंने कॉलेजियम द्वारा विचार किए जाने के लिए सहमति दी है। उन्होंने कहा, अगर कॉलेजियम 10 या 15 वकीलों पर विचार करता है, जिनमें से 10 मामलों पर विचार किया जाता है और पांच की सिफ़ारिश नहीं की जाती, तो क्या हमें उन लोगों की निजता की चिंता नहीं है जिन्होंने स्वेच्छा से सहमति दी है? उन्हें वापस जाकर वकालत करनी होगी।

कॉलेजियम ने की थी दो नामों की सिफारिश

उन्होंने कहा कि एक बार जब ये मामले सार्वजनिक हो जाते हैं, तो इन व्यक्तियों का पिछले तीन वर्षों का वेतन भी सार्वजनिक हो जाता है। उन्होंने कहा, इसलिए हमें इसे गोपनीयता के साथ संतुलित करना होगा। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने 25 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस विपुल पंचोली के नामों की पदोन्नति के लिए सिफ़ारिश की थी, जिसे केंद्र सरकार ने बुधवार को मंजूर कर लिया।

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी बोले - संविधान की रक्षा के लिए हर संभव कोशिश करूंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी सीपीआई (एम) नेताओं से मिलने के लिए पार्टी के दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि अवसर मिलने पर मैं भारत के संविधान की रक्षा के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। मैं सीपीआईएम के अमूल्य समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया अलायंस ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि एनडीए की ओर से महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के राज्यपाल रहे सीपी राधाकृष्णन को चुना गया है। भले ही आंकड़े एनडीए के पक्ष में हो, लेकिन विपक्ष भी अपना साझा उम्मीदवार खड़ा करके चुनाव को दिलचस्प और रोचक बनाने में लग गया है। इसी के चलते बी सुदर्शन रेड्डी और सीपी राधाकृष्णन तमाम दलों के नेताओं से मिलकर उनका समर्थन मांग रहे हैं। बीते दिन समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात की और कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि न्याय और संवैधानिक मूल्यों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि संविधान, कानून और लोगों के अधिकारों की रक्षा में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के लंबे कार्यकाल ने उन्हें इस उच्च संवैधानिक पद के लिए सर्वोत्तम विकल्प बनाया है। उन्होंने भाजपा पर उपराष्ट्रपति पद को एक विशेष विचारधारा से जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसा दृष्टिकोण राष्ट्रीय हित के विरुद्ध है।

बी सुदर्शन रेड्डी ने मंगलवार को कहा था कि वह आभारी हैं कि जो लोग इंडिया गठबंधन में नहीं हैं, वे भी उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। रेड्डी ने सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों से दलगत भावना से ऊपर उठकर योग्यता और सिद्धांत के आधार पर उनकी उम्मीदवारी पर विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा, आप जानते ही हैं कि विपक्ष ने मुझ पर भरोसा किया है और मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। मैं बहुत आभारी हूं कि न केवल इंडिया गठबंधन, बल्कि गठबंधन से बाहर के लोग भी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। लेकिन मेरे मित्र अखिलेश यादव के बिना यह संभव नहीं होता।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप टैरिफ पर मोहन भागवत का भी सख्त संदेश- दबाव में नहीं होने चाहिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

नागपुर, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को ट्रंप के टैरिफ पर सख्त संदेश देते हुए कहा है कि अंतराष्ट्रीय व्यापार दबाव से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से होने चाहिए। इस दौरान भागवत ने आत्मनिर्भता पर भी जोर दिया है। भागवत ने कहा है कि आज के दौर में आत्मनिर्भरता का मतलब दूसरों से रिश्ते पूरी तरह खत्म कर लेना नहीं हो सकता और अंतराष्ट्रीय व्यापार भी जरूरी है। हालांकि संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किसी दबाव में नहीं किए जाने चाहिए। मोहन भागवत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका बुधवार से भारत से आयातित उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ वसूलने जा रहा है। भागवत विज्ञान भवन में 100 वर्ष की संघ यात्राः नए क्षितिज विषय पर आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, अपना देश हर तरह आत्मनिर्भर होना चाहिए। इसकी शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए। जब स्वदेशी की बात करते हैं तो लगता है कि विदेशियों से संबंध नहीं रहेंगे। ऐसा नहीं है। आत्मनिर्भर होना यानि बाकी लोगों को बंद करना नहीं है। आत्मनिर्भर होना है लेकिन दुनिया परस्पर निर्भरता पर चलती है। भागवत ने आगे कहा, और इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तो चलेगा और उसमें लेनदेन होगी। बस इसमें दबाव नहीं होना चाहिए, स्वेच्छा होनी चाहिए। और इसीलिए स्वदेशी का पालन करना चाहिए। भागवत ने कहा कि स्वदेशी का मतलब यही है कि जो चीजें घर में बनती है उसे बाहर से ना लाया जाए। उन्होंने कहा, गर्मी के दिनों में आप नींबू की शिकंजी बनाकर पी सकते हैं तो कोका कोला क्यों लाना? घर में अच्छा और पौष्टिक भोजन मिलता है, फिर हर इतवार को बाहर जाकर पिज्जा क्यों खाना?

बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठन जेएमबी के संपर्क में रहने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दिसपुर, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि धुबरी जिले के कई निवासियों के फोन नंबर कट्टरपंथी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को कथित तौर पर उपलब्ध कराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जेएमबी यहां राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गिरफ्तार किया गया व्यक्ति एक भारतीय नागरिक है और वह जेएमबी को फोन नंबर मुहैया कराने वाला मुख्य माध्यम था। फोन नंबर उपलब्ध हो जाने के बाद जेएमबी के सदस्य उन लोगों को कट्टरपंथी बनाने के इरादे से फोन किया करते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति अली हुसैन बेपारी को पहले भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह जमानत पर बाहर था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की सीमा से लगे धुबरी और दक्षिण सलमारा जिलों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दक्षिण सलमारा पिछले पांच सालों से शांतिपूर्ण रहा है, लेकिन हाल के दिनों में धुबरी में कई गतिविधियां हुई हैं। इसलिए कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए हमने दुर्गापूजा के दौरान रात में देखते ही गोली मारने के आदेश जारी रखने का फैसला किया है।'' एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि योजना आयोग की पूर्व सदस्य सईदा हामिद के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी। हामिद ने कहा था कि बांग्लादेशी भी यहां रह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर मैं प्राथमिकी दर्ज करा दूं, तो वह केस लड़ने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से चंदा इकट्ठा करेंगी। इससे उन्हें सिर्फ़ फ़ायदा ही होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वह असम वापस आती हैं तो राज्य सरकार कानून के अनुसार जो भी करना होगा, करेगी। राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के संबंध में शर्मा ने आरोप लगाया कि 'असम के लोगों के साथ धोखा हुआ है, क्योंकि सूची में कई विसंगतियां हैं और कई संदिग्ध प्रविष्टियां हैं।

नरेंद्र मोदी ने संभाला वरना सारा गुजरात जल जाता: पूर्व सांसद तरलोचन सिंह

2002 के दंगों पर सिख नेता का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिख मामलों के जानकार और पूर्व राज्यसभा सांसद तरलोचन सिंह ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा कि यह दंगा साबरमती एक्सप्रेस अग्निकांड से उपजे गुस्सा का नतीजा था और इसे नरेंद्र मोदी ने अच्छे से संभाला वरना पूरा गुजरात ही जल जाता। उन्होंने कहा कि ट्रेन में जिंदा जले लोगों के परिजन उनके शवों को अपने गांव ले जाना चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने उनका अंतिम संस्कार वहीं करा दिया। तरलोचन सिंह ने कहा कि यदि ये शव उनके गांवों में पहुंचते तो सोचिए कि कितना गुस्सा लोगों का भड़कता और पूरा गुजरात ही जल जाता, लेकिन नरेंद्र मोदी ने साहस दिखाया और ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि 2002 का दंगा जनता के गुस्से का परिणाम था, उसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। बता दें कि 2002 में गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम हुआ करते थे। उस दंगे को लेकर उन पर भी कांग्रेस की ओर से आरोप लगाए जाते रहे हैं। 2002 के दंगों के दौरान तरलोचन सिंह अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि गुजरात का दंगा दिल्ली में हुए 1984 के दंगों की तरह सरकार प्रायोजित नहीं था। उन्होंने कहा कि 2002 में मैं अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष था। तरलोचन सिंह ने कहा कि घटना होने के बाद सबसे पहले पहुंचने वाले लोगों में मैं था। मैंने उसके बारे में पूछताछ की। कोई उसके बारे में नहीं जानता था। मैं 2000 में अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन बना था और गुजरात दंगा 2002 में हुआ। मैंने गुजरात दंगे पर एक बुकलेट भी लिखी है। उन्होंने कहा कि यह बुकलेट छपी भी थी और नरेंद्र मोदी ने इसकी 500 कॉपियां बटवाई थीं। मैंने गुजरात दंगों से दिल्ली के सिख दंगों की तुलना की थी। मैंने कहा था कि दिल्ली का दंगा सरकार प्रायोजित था, लेकिन गुजरात का दंगा जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति थी।

भारतीयों को सभी अमेरिकन कंपनियों का बहिष्कार करना चाहिए: बाबा रामदेव

नोएडा, एजेंसी। योग गुरु बाबा रामदेव ने अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के प्रभावी होने के बाद बुधवार को देशवासियों से एक बड़ी अपील की। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को भी अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ का कड़ा विरोध करना चाहिए। भारतीय नागरिकों को अमेरिकी कंपनियों और ब्रांड्स का बहिष्कार करना चाहिए। यदि भारत के लोगों ने ऐसा कि तो अमेरिका में महंगाई इतनी बढ़ जाएगी कि खुद उसे ये टैरिफ वापस लेने पड़ सकते हैं।

देशवासी करें यह काम तो अमेरिका में हाहाकार : रामदेव ने कहा- अमेरिका ने एक गुंडागर्दी या तानाशाही के तहत भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, उसका भारत के सभी नागरिकों की ओर से भी पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए। भारतीयों को सभी अमेरिकन कंपनियों का बहिष्कार करना चाहिए। अमेरिकी कंपनियों के काउंटरों पर एक भी भारतीय दिखना नहीं चाहिए। ऐसा जोरदार बहिष्कार किया जाना चाहिए। एकबार ऐसा किया जो अमेरिका में हाहाकार मच जाएगा।

ट्रंप को वापस लेना पड़ जाएगा टैरिफ : रामदेव ने आगे कहा कि अमेरिकी कंपनियों के बहिष्कार से अमेरिका में भी महंगाई इस कदर बढ़ जाएगी कि ट्रंप को खुद ही ये टैरिफ वापस लेना पड़ जाएगा। जहां तक सवाल चुनौतियों का है तो चुनौतियां नया मौका भी देती हैं। भारत को पहल कर के जो भी बाकी देश हैं उनके साथ व्यापार को बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी टैरिफ से जो भी रोजगार का नुकसान होगा उसके लिए रोजगार के नए अवसर तलाशे जाने चाहिए।

पैदा करने होंगे रोजगार के नए अवसर

रामदेव कहा कि हमें नए रोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए। भारत सरकार को कारोबारियों को भी टैक्स और जीएसटी में छूट देनी चाहिए ताकि वे अपना अस्तित्व कायम रख सकें। मुझे पूरा भरोसा है कि भारत इस चुनौति से और मजबूत बन कर उभरेगा। भारत, चीन, रूस और मध्य पूर्व के अन्य देश और यूरोप के कुछ मिलकर नए वर्ल्ड ऑर्डर बनाएंगे जिससे डॉलर का मुकाबला किया जा सकेगा।

ज्तो आधी रह जाएगी डॉलर की कीमत

रामदेव ने दावा किया कि जिस दिन भारत, चीन, रूस और मध्य पूर्व के अन्य देश और यूरोप के कुछ मिलकर एकजुट हो गए, उस दिन डॉलर आधी कीमत का रह जाएगा। अमेरिका का टैरिफ भारत के लिए चुनौती और अवसर दोनों है। रामदेव ने कहा कि जब चीन मजबूती से खड़ा हुआ तब ट्रंप को टैरिफ वापस लेना पड़ा। भारत भी कोई कमजोर मुल्क नहीं है। भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

छत्तीसगढ़ में एकसाथ 30 नक्सलियों ने डाले हथियार, इनमें से 20 पर घोषित था कुल 81 लाख रुपए का इनाम

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बुधवार को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली जब एकसाथ 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से 20 पर कुल 81 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि हथियार डालने वाले माओवादियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी इस बारे में सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए इस सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के साथ ही सुरक्षाबलों को श्रेय दिया। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 10 लाख रुपए का इनामी एक नक्सली दंपति भी शामिल है, जिसमें से पति सोनू हेमला उर्फ ??कोरोटी (38) पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह नक्सलियों की संभागीय समिति का सदस्य और माओवादियों के केके उप-विभागीय ब्यूरो का प्रभारी था और 2003 से सक्रिय था। जबकि उसकी पत्नी सुकड़ी गावड़े पर 2 लाख रुपए का इनाम घोषित था। सरेंडर करने वाले अन्य नक्सलियों की पहचान प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य के दो सदस्य कल्लू

पुनेम (28) और कोसी कुंजम (28), दो पार्टी सदस्य मोती पुनेम (25) और पांडे पुनेम (25) तथा एक पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कैडर छोटू कुंजम (19) के रूप में हुई है, इन सभी पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा हथियार डालने वाले दो नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था, जबकि नौ अन्य पर 2-2 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले दो अन्य नक्सलियों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था।

इसके साथ ही इस साल बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़कर 307 हो गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पूना मारगेम से शांति और विकास की ओर अग्रसर बस्तर, आज बीजापुर में 81 लाख रुपए के 20 इनामी समेत 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आत्मसमर्पण हमारी सरकार की नवीन पुनर्वास नीति, नियद नेल्ला नार योजना और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई का परिणाम है।' आगे उन्होंने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने बस्तर के लोगों का विश्वास जीता है, उसी का परिणाम है कि लगातार माओवादी संगठन कमजोर हो रहे हैं और बड़ी संख्या में वे हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं। बस्तर अंचल में नक्सलवाद कमजोर हो रहा है और बस्तर तेजी से शांति और विकास की ओर बढ़ रहा है।

हमारी डबल इंजन की सरकार मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। सरेंडर करने की वजह बताते हुए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने दावा किया कि नक्सलियों ने खोखली माओवादी विचारधारा, आदिवासियों पर अत्याचार और आंतरिक कलह से मोहभंग होने के बाद आत्मसमर्पण किया। साथ ही पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडर राज्य सरकार की नियाद नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) योजना और राज्य सरकार की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से भी प्रभावित थे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, बस्तर पुलिस ने हथियार डालने वाले नक्सलियों के लिए पूना मारगेम (सामाजिक पुनर्मिलन हेतु पुनर्वास) नामक पुनर्वास पहल शुरू की है।

जम्मू में भारी बारिश से झेलम एक्सप्रेस सहित तीन ट्रेनें कैंसिल

आगरा, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और पंजाब में मूसलाधार बारिश से बिगड़े हालातों का असर ट्रेनों पर भी पड़ा है। बुधवार को आगरा की ओर से पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाली तीन ट्रेनों को रेलवे ने निरस्त कर दिया। आधा दर्जन ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया। इन ट्रेनों के अलावा पंजाब और जम्मू-कश्मीर जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में पांच हजार से ज्यादा यात्रियों ने रिजर्वेशन कैंसिल कराए हैं। बीते कुछ दिनों से जम्मू रीजन में मूसलाधार बारिश हो रही है। बुधवार को तो बारिश ने जम्मू में 52 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मंगलवार को माता वैष्णो देवी भवन मार्ग पर भूस्खलन और फिर 31 लोगों की मौत की खबर के बाद यात्राएं निरस्त होने लगीं। जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में हो रही बारिश ने ट्रेनों के पहिए थाम दिए हैं। बुधवार को रेलवे ने पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस, कोटा जं.-उधमपुर एक्सप्रेस, चेन्नई- श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया। एक तरफ रेलवे ने ट्रेनों को निरस्त किया, दूसरी तरफ आफत की बारिश के चलते किसी हादसे का शिकार होने से बचने के लिए मंगलवार-बुधवार को जम्मू की तरफ जाने वाली ट्रेनों में पांच हजार से अधिक रिजर्वेशन कैंसिल कराए गए। आगरा कैंट स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में बैठे यात्री। ट्रेन निरस्त होने के कारण लोगों को परेशानी हुई।ागरा रेल मंडल की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया भारी बारिश के चलते रेलवे ने तिरुनेवली जं.-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को दिल्ली जं.स्टेशन पर, पुणे-जम्मूतवी झेलम एक्सप्रेस को अंबाला जं. स्टेशन पर, चेन्नई सेंट्रल-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को हजरत निजामुद्दीन पर, दुर्ग- शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर एक्सप्रेस को हजरत निजामुद्दीन पर, डॉ. आंबेडकर नगर-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस को नई दिल्ली स्टेशन पर ही खत्म कर दिया।

हिमाचल में दो सितंबर तक भारी बारिश का येलो अलर्ट, 582 सड़कें व 2 एनएच बंद

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के बाद बुधवार को मौसम खुलने से लोगों ने राहत की सांस ली। राजधानी शिमला समेत कई इलाकों में धूप खिली, हालांकि दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और हल्की बारिश हुई। बीते 24 घंटों में भारी बारिश में कमी आई है। चंबा में सर्वाधिक 50 मिलीमीटर, धर्मशाला व जोत में 40-40 मिलीमीटर, केलांग, चुआरी व नैना देवी में 30-30 मिलीमीटर और पालमपुर, गग्गल, बिलासपुर, अंब व करसोग में 20-20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

दो सितंबर तक खराब रहेगा मौसम: मौसम विभाग ने आगामी दो सितंबर तक प्रदेश में मौसम खराब रहने की चेतावनी दी है। 28 अगस्त को उना, हमीरपुर, मंडी, शिमला व सिरमौर जिलों में मेघगर्जन व बिजली गिरने के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया

गया है। 29 अगस्त को उना, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। 30 व 31 अगस्त को चंबा, कांगड़ा और मंडी में अलर्ट रहेगा, जबकि पहली व दो सितंबर को भी प्रदेश के अधिकांश इलाकों में येलो अलर्ट जारी रहेगा।

युद्धस्तर पर जारी राहत व बचाव कार्य : बारिश से प्रभावित जिलों कुल्लू, मंडी, चंबा और कांगड़ा में राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार बुधवार शाम तक प्रदेश में भूस्खलन और मलबा आने से 2 नेशनल हाइवे और 582 सड़कें बंद हैं। मंडी जिले में सबसे अधिक 258, कुल्लू में 166, कांगड़ा में 65, शिमला में 31, सिरमौर में 17, उना में 21, सोलन में 13 और बिलासपुर में 7 सड़कें ठप हैं। कुल्लू में एनएच-305 और मंडी में एनएच-3 बंद पड़े हैं। बारिश से बिजली व पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। प्रदेश में 1155 ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं, जिनमें कुल्लू के 841 और मंडी के 295 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। 346 पेयजल योजनाएं भी बाधित हुई हैं, जिनमें कांगड़ा की 92, कुल्लू की 88, मंडी की 64, हमीरपुर की 41 और शिमला की 35 योजनाएं प्रभावित हैं।

राज्य में अबतक 310 लोगों की मौत

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मॉनसून सीजन में अब तक हिमाचल में 310 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 38 लोग लापता और 369 घायल हुए हैं। जिला अनुसार देखें तो मंडी में 51, कांगड़ा में 49, चंबा में 36, शिमला व किन्नौर में 28-28, कुल्लू में 26, सोलन में 21, ऊना में 18, हमीरपुर में 16, बिलासपुर में 15, सिरमौर में 14 और लाहौल-स्पीति में 8 लोगों की जान गई है। प्रदेश में अब तक 3519 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 747 पूरी तरह ढह गए हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 1535 मकान प्रभावित हुए, जिनमें 504 पूरी तरह गिर गए। इसके अलावा पूरे प्रदेश में 481 दुकानें और 3192 पशुशालाएं भी तबाह हो गई हैं।

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिपः

अजीत नारायण ने देश के लिए जीता गोल्ड

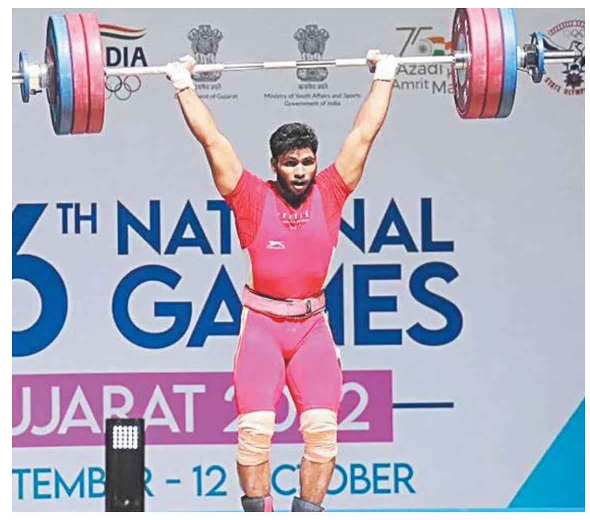

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष वेटलिफ्टर अजीत नारायण ने पुरुषों के 71 किलोग्राम भारवर्ग में देश के लिए गोल्ड मेडल जीता तो वहीं निरुपमा देवी सेराम ने महिलाओं की 63 किलोग्राम भारवर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

26 साल के अजीत ने कुल 317 किलोग्राम (145 किग्रा स्नैच और 172 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पोडियम पर टॉप पोजीशन हासिल किया और इस दौरान नए रिकॉर्ड भी बनाए। अजीत ने नाइजीरिया के जोसेफ एडिडियोंग उमोआफिया को पछाड़ा जिन्होंने कुल 316 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 170 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता। एजेकील मोसेस ने कुल 290 किग्रा (135 किग्रा स्नैच और 155 किग्रा क्लीन एवं जर्क) भार उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में निरुपमा ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए कुल 217 किग्रा (91 किग्रा स्नैच और 126 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

चौबीस वर्षीय निरुपमा के क्लीन एवं जर्क प्रदर्शन ने पिछले राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। कनाडा की माउड चारोन ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि कांस्य पदक नाइजीरिया की रूथ इमोलेयो अयोडेले के नाम रहा।

भारत ने जूनियर वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 71 किग्रा पुरुष तथा 63 किग्रा महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हेमंत दोइमारी (पुरुष) और बिदुस्मिता भोई (महिला) ने चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग में 18 वर्षीय हेमंत ने 264 किग्रा (118 किग्रा स्नैच और 146 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण अफ्रीका के जोनाथन इवान ट्रम्बल ने 262 किग्रा (112 किग्रा स्नैच और 150 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन के साथ रजत जबकि श्रीलंका के ओडिथा थारुपथी नारायणगे ने 206 किग्रा (95 किग्रा स्नैच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के जूनियर 63 किग्रा में 20 वर्षीय बिदुस्मिता ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए 204 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 115 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

वनडे वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना : मो.शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने अपनी रिटायरमेंट की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। 34 साल के शमी ने साफ कहा कि जब तक उनमें खेल के प्रति जुनून और प्रेरणा बनी रहेगी, वह मैदान पर डटे रहेंगे। शमी को इंग्लैंड में एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी और 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। शमी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में शमी ने रिटायरमेंट की अफवाहों पर तीखा जवाब देते हुए कहा,अगर किसी को मुझसे दिक्कत है, तो सामने आकर बताए। मेरे रिटायर होने से किसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी? मैं किसी की जिंदगी में पत्थर क्यों बनूं कि तुम्हें मुझसे रिटायरमेंट चाहिए? जिस दिन मुझे बोरियत होगी, मैं खुद मैदान छोड़ दूंगा। आप मुझे न चुनें, न खिलाएं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं मेहनत करता रहूंगा। घरेलू क्रिकेट में भी खेलने को तैयार शमी ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका न मिले, तो वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, अगर आप मुझे अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं चुनते, तो मैं घरेलू क्रिकेट खेलूंगा। मैं कहीं न कहीं खेलता रहूंगा। रिटायरमेंट जैसा फैसला तब लिया जाता है, जब आपको लगे कि आप बोर हो गए हैं, जब आप सुबह 7 बजे टेस्ट मैच के लिए उठना नहीं चाहते। लेकिन मेरे लिए अभी वह वक्त नहीं आया। आप चाहें तो मैं सुबह 5 बजे भी उठकर तैयार हो जाऊंगा। ओडीआई वर्ल्ड कप जीतने का अधूरा सपना शमी ने बताया कि उनका सबसे बड़ा लक्ष्य वनडे वर्ल्ड कप जीतना है, जो उनका एकमात्र अधूरा सपना है। 2023 वर्ल्ड कप में भारत के फाइनल तक पहुंचने की याद ताजा करते हुए उन्होंने कहा,मेरा एक ही सपना बाकी है, वह है वनडे वर्ल्ड कप जीतना। 2023 में हम बहुत करीब थे। हमें भरोसा था, लेकिन नॉकआउट स्टेज में डर भी था। फैंस का उत्साह और समर्थन हमें प्रेरित करता था। शायद उस वक्त मेरी किस्मत में नहीं था, लेकिन मैं 2027 में वहां होना चाहता हूं।

फुजैराह ग्लोबल शतरंजः

विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव नें शीर्ष वरीय निहाल को हराया

फुजैराह ,संयुक्त अरब अमीरात, एजेंसी। में चल रहे पहले फुजैराह टूर्नामेंट का आगाज़ सनसनीखेज़ अंदाज़ में हुआ। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन भारत के प्रणव वेंकटेश ने शीर्ष वरीय और हाल ही में एशियन 2025 के रजत पदक विजेता हमवतन निहाल सारिन को मात देते हुए शानदार जीत दर्ज की।

काले मोहरो से खेल रहे निहाल सिसिलियन ओपनिंग में खेल के मध्य में लगातार दबाव झेलते रहे, जगह की कमी के कारण उनके मोहरो को खेल में सक्रिय होने में ख़ासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और ऐसे में खेल की 29वीं चाल में उनका ऊंट प्रणव के राजा की ओर फँस गया और बाजी उनके हाथ से निकलने लगी हालांकि खेल की 45वीं चाल में प्रणव की एक गलत चाल से निहाल को वापसी का मौका मिला पर वह इसे भुना नहीं पाये और 71 चाल तक चले मुक़ाबले के बाद वह बाजी हार गए ।

2700 रेटिंग के बेहद करीब निहाल के लिए यह हार बड़ा झटका है और खेल के बाद वह बेहद निराश नजर आए , पिछले ही हफ्ते चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में निहाल नें प्रणव को पराजित किया था और इस तरह प्रणव नें अपनी हार का हिसाब निहाल से बराबर कर लिया है । सुपर स्टार टूर्नामेंट में कुल दुनिया के चुनिन्दा 44 खिलाड़ी भाग ले रहे है और इसकी औसत रेटिंग 2606 है जो इसे बेहद खास बनाती है और पहले दिन कई उलटफेर देखने को मिले , दूसरे वरीय भारत के रौनक साधवानी को फीडे के अलेक्सी ग्रेबनेव नें ड्रॉ पर रोका तो तीसरे वरीय अमीन तबातबाई को रोमानिया के अलेक्ज़ेंडर मोत्यलेव नें पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । भारत के एस एल नारायणन ने अमेरिका के जीएम सैम शेंक्लैंड से बाज़ी ड्रॉ खेली तो भारत के प्रणव आनंद नें मेज़बान यूएई के दिग्गज जीएम सलेम सालेह को रोका।

ग्रांड मास्टर प्रनेश एम ने मैक्सिको के जीएम जोस मार्टिनेज अलकांतारा के साथ अंक बाँटा। वहीं हंगरी के सनन सुज्गिरोव नें हमवतन एडम कोजक को मात देते हुए अपना पहला अंक बनाया । पहले ही दिन उलटफेर का आलम यह रहा की नौवे वरीय सनन अब पहले बोर्ड पर अपनी दूसरे राउंड की बाजी खेलेंगे तो 12 वें वरीय दूसरे बोर्ड पर 18वें वरीय अभिमन्यु मिश्रा तीसरे बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे । मतलब 18 शीर्ष खिलाड़ियो में 15 शीर्ष वरीय खिलाड़ियों को या तो हार या ड्रॉ के परिणाम ही हासिल हुए , इससे हम इस सुपर स्टार वर्ग की कड़ी प्रतिस्पर्धा का अंदाजा लगा सकते है ।

कुल मिलाकर 44 ग्रांडमास्टर्स के साथ यह टूर्नामेंट 2606 की औसत रेटिंग वाला बेहद मज़बूत आयोजन है। इसमें कुल 1,25,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि रखी गई है, जिसमें सुपरस्टार्स वर्ग के लिए 80,000 डॉलर, मास्टर्स वर्ग (2200-2599) के लिए 30,000 डॉलर और ओपन वर्ग (<2200) के लिए 15,000 डॉलर शामिल हैं। शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः 23,000, 13,000 और 9,000 डॉलर हैं।

पूर्व चयनकर्ता ने दिया बयान

भारत के 2026 टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जहां एक तरह एशिया कप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 विश्व कप में भारत के खिताब संभावनाओं पर संदेह जताया है। श्रीकांत का मानना है कि इस टीम के साथ भारत 2026 का विश्व कप नहीं जीत पाएगा। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं, लेकिन टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। क्या आप इस टीम को विश्व कप में ले जाएंगे? क्या यह टी20 विश्व कप की तैयारी है जो मुश्किल से छह महीने दूर है? टीम में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय शुभमन गिल की उप-कप्तान के तौर पर वापसी थी जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 2-2 से ड्रॉ हुई सीरीज के बाद हुई। गिल ने आखिरी बार जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेला था। वहीं जनवरी में इंग्लैंड के साथ द्विपक्षीय सीरीज के दौरान अक्षर पटेल उप-कप्तान थे लेकिन अब उन्हें इस पद से हटा दिया गया है जो पूर्व चयनकर्ता अच्छा नहीं लगा। उन्होंने रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वे पीछे चले गए हैं। अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा कैसे टीम में आ गए। को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है, लेकिन लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने भारत के लिए 5वें नंबर के बल्लेबाज पर भी प्रश्न किया। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से कोई एक होना चाहिए। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने दुबे को कैसे चुना। यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह क्या करते हैं।

यूएस ओपन: रैकेट तोड़ा...अंपायर से भिड़े, मेदवेदेव पर लगा लाखों रुपये का जुर्माना

न्यूयॉर्क , एजेंसी। मेदवेदेव के करियर में यह पहली बार नहीं है जब उनका गुस्सा कोर्ट पर सुर्खियां बना हो। पूर्व नंबर-एक खिलाड़ी होने के बावजूद उनकी छवि कई बार अनुशासनहीनता और विवादित बर्ताव के कारण सवालों के घेरे में रही है। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और पूर्व विश्व नंबर-एक दानिल मेदवेदेव अमेरिकी ओपन 2025 के पहले दौर में हार के साथ ही विवादों में घिर गए। मैच के दौरान कोर्ट पर खेल भावना के विपरीत आचरण और गुस्से में रैकेट तोड़ने के कारण उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने मेदवेदेव पर कुल 42,500 डॉलर (35.7 लाख रुपये) का दंड ठोका, जो उनकी मैच फीस 1,10,000 डॉलर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

गुस्से की वजह-कोर्ट पर फोटोग्राफर की मौजूदगी: घटना उस समय हुई जब मेदवेदेव अपने प्रतिद्वंद्वी फ्रांस के खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी के खिलाफ तीसरे सेट में खेल रहे थे।

बोंजी 5-4 की बढ़त पर थे तभी अचानक एक फोटोग्राफर कोर्ट के किनारे पर चलने लगा, जिससे मेदवेदेव का ध्यान भटक गया। मेदवेदेव ने तुरंत चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ से शिकायत की, लेकिन अंपायर ने फोटोग्राफर को हटाने के बाद बोंजी को फिर से पहली सर्विस की अनुमति दे दी। इसी फैसले से मेदवेदेव भड़क उठे और उन्होंने कोर्ट पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

फोटोग्राफर की मान्यता रद्दः इस घटना के बाद चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने का आदेश दिया और उसकी मान्यता भी रद्द कर दी गई। बावजूद इसके, मेदवेदेव का गुस्सा कम नहीं हुआ और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद अपना रैकेट तोड़कर नाराजगी जाहिर की।

जुर्माने का ब्योराः टूर्नामेंट रैफरी ने मेदवेदेव के खिलाफ दो अलग-अलग उल्लंघन दर्ज किए। 30,000 डॉलर खेल भावना के विपरीत आचरण पर और 12,500 डॉलर रैकेट तोड़ने की हरकत पर। इस तरह कुल मिलाकर उन पर 42,500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया।

गत चैंपियन आर्यना सबालेंका तीसरे दौरे में पहुंची

न्यूयॉर्क, एजेंसी। गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन के तीसरे दौरे में जगह बना ली है। सबालेंका ने पोलिना कुडेरमेतोवा को हराकर तीसरे दौरे में जगह बनाई। सबालेंका ने दूसरे दौर के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त पोलिना कुडेरमेतोवा को 7-6(4), 6-2 से हराया। पहले सेट में जीत के लिए सबालेंका को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन दूसरा सेट उन्होंने आसानी से जीता। दूसरे सेट में पोलिना कुडेरमेतोवा ने घुटने की चोट के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया था। नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका अगर फाइनल में पहुंचती हैं और खिताब जीतने में सफल रहती हैं, तो सेरेना विलियम्स के बाद दूसरी खिलाड़ी बनेंगी। सेरेना ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन बार यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीता था। सबालेंका का अगला मुकाबला 31वीं वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एल्सा जैक्वेमोट को 6-2, 3-6, 6-2 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में दूसरे दौर के मुकाबले में गैर-वरीयता प्राप्त अमेरिकी इवा जोविक को 6-3, 6-3 से हराया।

पीकेएल 2025: प्रो कबड्डी में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में तूफानी शतक ठोकने वाले राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब प्रो कबड्डी में एंट्री करने जा रहे हैं. 14 साल के इस खिलाड़ी ने IPL 2025 के बाद इंग्लैंड में अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखाया और इंग्लिश गेंदबाजों की खूब पिटाई की. अब उन्हें प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन में बुलाया गया है. जो बड़े कमाल की बात है. प्रो कबड्डी लीग 2025 की शुरुआत विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नेशनल स्पोर्ट्स डे के मौके पर 29 अगस्त से होने जा रही है. इसका आगाज अंडर-19 टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी करेंगे. इस दौरान कई खेलों के पूर्व खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे.

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आगाज बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, कबड्डी सुपरस्टार प्रदीप नरवाल और टीम इंडिया के अंडर-19 टीम के ओपनर वैभव सूर्यवंशी करेंगे. वैभव सूर्यवंशी ने इस पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि नेशनल स्पोर्ट्स डे मुझे याद दिलाता है कि कैसे खेल सभी को एक साथ लाते हैं. खेल आपको टीम वर्क, अनुशासन सिखाता है. मैं राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर अपने को भाग्यशाली मानता हूं. मुझे उम्मीद है कि मेरे जैसे और भी बच्चे खेलना शुरू करेंगे और खुद पर विश्वास करेंगे.

पीवी सिंधु की दमदार वापसी, विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार 27 अगस्त 2025 की रात मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झि यि से होगा।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हॉन्गकॉन्ग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधु मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं। लेत्शाना के खिलाफ भी पीवी सिंधु को लय हासिल करने में दिक्कत हुई। वह शुरू में मलेशियाई खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकीं और पिछड़ती रहीं। पर अंत में वापसी करने में सफल रहीं। लेत्शाना आक्रामक शुरुआत की जिससे सिंधु 1-4 से पीछे हो गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने दबदबा कायम रखते हुए अपने 'डाउन-द-लाइन स्मैश' और तेज 'नेट प्ले' से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत लेत्शाना के आक्रामक खेल ने सिंधु की अनिरंतरता को उजागर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पिछड़ती रहीं। मलेशिया की खिलाड़ी 18-12 के स्कोर पर नियंत्रण बनाए थीं। पर यहीं सिंधु ने वापसी की। उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया जिसमें लेत्शाना की एक गलती का भी उन्हें फायदा मिला। मलेशियाई खिलाड़ी दबाव में एक स्मैश वाइड कर बैठीं।

फिर सिंधु ने 19-19 के स्कोर पर संयम बनाए रखा और एक बेहतरीन स्मैश लगाकर 'गेम पॉइंट' हासिल किया। मैच में पहली बार सिंधु आगे निकलीं। भारतीय खिलाड़ी ने बैकलाइन पर लेत्शाना की कमजोर प्रतिक्रिया से अंक हासिल किया। उन्होंने फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के एक और शॉट को लंबा भेजने से गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने फिर दूसरे गेम में भी यही लय जारी रखते हुए 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ी को अपनी गति बनाए रखने में मुश्किल हो रही थी जिससे सिंधु 7-3 के बाद 9-5 से आगे हो गईं। हालांकि, बैकलाइन पर सिंधु कुछ गलतियां भी कर बैठीं, पर एक नेट कॉर्ड विनर से वह 10-6 से आगे हो लीं।

इसके बाद पीवी सिंधु पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं। उनके स्मैश में विविधता से मलेशियाई खिलाड़ी परेशान हो गईं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सात मैच पॉइंट हासिल कर लिए और फिर मलेशियाई खिलाड़ी के गलत फोरहैंड से मैच जीत लिया। पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपनी आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बैककोर्ट से कुछ जबरदस्त स्मैश लगाए।

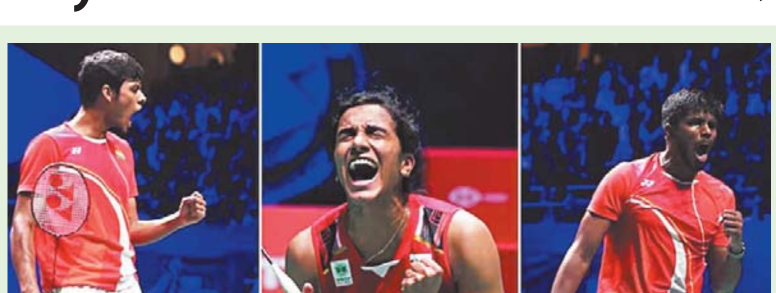

सात्विक-चिराग और ध्रुव-तनीषा ने भी दिखाया जलवा

हाईकोर्ट में अटकी "पदोन्नति"

कर्मचारियों को न्याय दिलाने सुप्रीम कोर्ट के वकील तैनात करेगी सरकार

भोपाल। 9 साल बाद सरकार ने कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता खोल दिया था, लेकिन मामला फिर हाईकोर्ट पहुंच गया, जहां पौने दो महीने से अटका हुआ है। इस मामले में सुनवाई के लिए तारीख पर तारीख दी जा रही है। ऐसे में अब मोहन सरकार ने प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को न्याय दिलाने के लिए कमर कस लिया है। इसके तहत हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को तैनात करेगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक डीपीसी की पहली बैठक के बाद ही 4 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को प्रमोशन मिल जाएगा। यह पदोन्नति के लिए पात्र कुल कर्मचारियों की संख्या का 90 प्रतिशत है। ये वे कर्मचारी हैं, जो दिसंबर, 2024 की स्थिति में पदोन्नति के लिए पात्र हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका विचाराधीन होने से प्रदेश में पिछले नौ साल में एक लाख से ज्यादा कर्मचारी बगैर प्रमोशन मिले रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि मप्र हाईकोर्ट में याचिका

विचाराधीन होने से पौने दो महीने से कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगी है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। हाईकोर्ट में अगली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मजबूती से सरकार का पक्ष रखेंगे। इसके लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन और तुषार मेहता को हायर किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार कोर्ट में पदोन्नति के मामले को ज्यादा लंबा नहीं खिंचने देना चाहती, ताकि पदोन्नति की प्रक्रिया जल्दी शुरू की जा सके, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं को हायर किया गया है। सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में अगली सुनवाई की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पदोन्नति के नए नियमों के अनुसार प्रमोशन के लिए रिक्त पदों को एससी (16 प्रतिशत), एसटी (20 प्रतिशत) और अनारक्षित में बांटा जाएगा। पहले एससी-एसटी के हिस्से वाले पद भरे जाएंगे। फिर अनारक्षित पदों पर एससी-एसटी से लेकर सभी दावेदार पात्र होंगे। पूर्व में प्रमोशन पा चुके कर्मचारियों को रिवर्ट नहीं किया जाएगा। साथ ही नए नियमों में पदोन्नति के लिए एफिसिएंसी टेस्ट का प्रावधान नहीं किया गया है। अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी इसी नियम के विरोध में हाईकोर्ट गए है।

हर बार तारीख आगे बढ़ रही

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2016 से कर्मचारियों की पदोन्नति संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन कोर्ट में हर बार तारीख आगे बढ़ जाती है। इसे देखते हुए पदोन्नति का रास्ता खोलने के लिए डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने 17 जून को मप्र लोक सेवा प्रमोशन नियम-2025 को मंजूरी दी थी। सरकार ने पदोन्नति के नए नियमों के संबंध में 19 जून को गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया था। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने 26 जून को सभी विभागों को 31 जुलाई से पहले डीपीसी की पहली बैठक बुलाने के निर्देश दिए थे। सीएस के निर्देश पर सभी विभागों ने डीपीसी की बैठकें बुलाने की तैयारियां कर ली थीं। इस बीच पदोन्नति के नए नियमों के विरोध में कुछ कर्मचारी हाईकोर्ट पहुंच गए। हाईकोर्ट ने 7 जुलाई को कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को अगली सुनवाई (15 जुलाई) में कर्मचारियों की पदोन्नति के पुराने नियम (वर्ष 2002) और नए नियम (वर्ष 2025) में अंतर संबंधी तुलनात्मक चार्ट पेश करने का आदेश दिया था। साथ ही अगली सुनवाई तक पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। तभी से सभी 54 विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया पर रोक लगी है। हाईकोर्ट में 15 जुलाई को सुनवाई टल गई थी। फिर इस याचिका पर 14 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट से समय मांगा गया था। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सरकार की मांग स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए 9 सितंबर की तारीख तय की है।

प्रदेश पदाधिकारियों के बाद होगी जिलों में नियुक्ति

मप्र में भाजपा संगठन पदाधिकारियों की नियुक्ति पर मंथन तेज

खंडेलवाल पर सबको साधने की चुनौती

खंडेलवाल के सामने सबको साधने की चुनौती है। देखना होगा कि वे कैसे सबके साथ और सबका साथ के वाक्य पर सही उतरते हैं। नजदीक में आने वाली सबसे बड़ी चुनौती की बात करें तो राजनीतिक नियुक्तियां हैं। निगम, मंडल, बोर्डों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और जिलों में दीनदयाल अंत्योदय समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्तियां होनी हैं। इनकी चर्चा लंबे समय से है, पर अब निर्णय नए अध्यक्ष और सरकार के समन्वय से होना है। इसी तरह से सत्ता और सरकार के बीच तालमेल बनाकर रखना भी सामान्य बात नहीं होगी। कारण, भले ही मुख्यमंत्री उनके साथ हैं, लेकिन मंत्रियों की अपनी अपेक्षाएं हैं। इसी तरह से संगठन और कार्यकताओं की अपेक्षाएं भी सरकार से हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति का इंतजार

पार्टी सूत्रों के अनुसार पहले यह तय किया गया था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद ही प्रदेश की नई टीम को चुना जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व ने फिलहाल बदलाव नहीं किया है। बीते सप्ताह हेमंत खंडेलवाल, हितानंद और मुख्यमंत्री मोहन यादव दिल्ली गए थे। जहां राष्ट्रीय संगठन संयुक्त महासचिव शिवप्रकाश के साथ नई टीम के गठन को लेकर चर्चा हुई। चुने गए पदाधिकारियों की सूची भी राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष को सौंप दी गई है। जो केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद जारी की जाएगी। पार्टी नेताओं ने यह भी दावा किया कि जिला कार्यकारिणी का विवाद जल्द सुलझा लिया जाएगा।

भोपाल। मप्र में वर्तमान में भाजपा का फोकस संगठन के विस्तार पर है। भाजपा सूत्रों की माने तो पार्टी पहले प्रदेश संगठन का गठन करेगी। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में मंथन चल रहा है। मप्र भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मंशानुसार प्रदेश संगठन में सारे समीकरणों पर नजर रखते हुए नेताओं को नियुक्ति दी जाएगी। उसके बाद जिलों की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इसके पीछे भाजपा की मंशा है कि प्रदेश पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर जिलों की कार्यकारिणी का गठन किया जाए। निगम-मंडलों और आयोगों में अपनी राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे भाजपा नेताओं को एक बार फिर थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। संगठन और सरकार ने इन नियुक्तियों से पहले संगठन की टीम तैयार करने का निर्णय लिया है। संगठन ने तय किया है कि पहले जिलों में टीमें बनाई जाएंगी और उसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी का गठन होगा। इसके बाद ही पार्टी नेताओं को निगम-मंडल और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए समायोजित किया जाएगा। प्रदेश के कई भाजपा नेता पिछले 20 महीनों से राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं। सरकार बनने के दो महीने बाद ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले साल फरवरी में अधिकांश निगम-मंडलों और बोर्डों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को हटा दिया था। तब से लेकर अब तक अटकलें लग रही थीं कि लोकसभा चुनावों के बाद कार्यकताओं की राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। 2020 से नहीं हुआ बदलाव जानकारी के अनुसार, खंडेलवाल की टीम के गठन की तैयारी अंतिम चरण में है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद जिला पदाधिकारी बनाए जाएंगे। तीसरे चरण में निगम-मंडल में नियुक्तियों की बारी आएगी। जिलों में चल रही खींचतान के चलते जिला कार्यकारिणी गठन का कार्य आगे भी बढ़ाया जा सकता है। वजह यह है कि भोपाल, इंदौर सहित कई जिलों में मंत्री, सांसद और विधायक अपने समर्थकों को जिला कार्यकारिणी में स्थान दिलाना चाहते हैं। पार्टी ने जिला कार्यकारिणी के गठन से पहले सभी जिलों में पर्यवेक्षक भी भेजे थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट संगठन को सौंप दी है। रिपोर्ट को लेकर हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के बीच एक दौर की बातचीत भी हो चुकी है। साथ ही, प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर राज्य और केंद्रीय नेतृत्व के बीच भी चर्चा हो चुकी है। मप्र में पूर्व भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा का कार्यकाल लगभग साढ़े पांच वर्ष का रहा। फरवरी 2020 में तत्कालीन अध्यक्ष राकेश सिंह की जगह उनकी नियुक्ति की गई थी। तब से अब तक अधिकांश जिलाध्यक्ष, उनकी टीम और प्रदेश पदाधिकारियों की टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

अतिक्रमण ने हड़प ली 5460 वर्ग किमी वनभूमि

रूचि नहीं दिखाने से सिर्फ 3 प्रतिशत अतिक्रमण हटा

भोपाल। देश में सर्वाधिक 5460 वर्ग किमी वन भूमि मप्र में अतिक्रमणकारियों ने हड़प ली है। बावजूद इसके इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाला वन विभाग अब तक माफियाओं से सिर्फ 3 प्रतिशत जमीन ही वापस ले पाया है। यह स्थिति तब सामने आई है जबकि बीते 4 सालों में राज्य का वन आवरण 371.54 वर्ग किमी से ज्यादा घट गया है। केंद्रीय वन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर अतिक्रमण में मप्र देश में नंबर-1 है। 77073.44 वर्ग किमी वन आवरण वाले प्रदेश में 5460 वर्ग किमी वन भूमि अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। यह कुल वन रकबे का 7.08 प्रतिशत है। जानकर हैरानी होगी कि तमाम कार्रवाईयों के बाद विभाग सिर्फ 174.96 वर्ग किमी जमीन ही वापस ले पाया है। यह कुल अतिक्रमित भूमि का 3.20 प्रतिशत से अधिक नहीं है। वहीं वन बल प्रमुख व्हीएन अंबाडे का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ

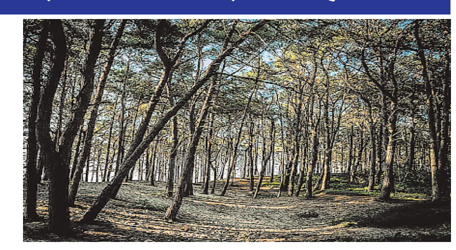

मुहिम हमारी प्राथमिकता में है। मैदानी अमले को सख्ती के साथ इससे निपटने के निर्देश है। कार्रवाई जारी है। वनाधिकार के नाम पर बढ़े कब्जे बताया जाता है कि 2008 के बाद से राज्य में वन भूमि पर अवैध कब्जे बढ़े है। क्योंकि अधिकांश वन भूमि पर ऐसे लोग भी काबिज हो गये जो शासन की नियमावली में पट्टा रखने का अधिकार नहीं रखते।

नौ सितंबर को होगी एमपी आबकारी कांस्टेबल परीक्षा

ये रहेगा परीक्षा पैटर्न परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 100 अंकों के प्रश्न हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम से पूछे जाएंगे।

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने एक्साइज कांस्टेबल (आबकारी आरक्षक) भर्ती परीक्षा 2024 की नई तारीख घोषित कर दी है। पहले यह परीक्षा 5 जुलाई 2025 को होनी थी, लेकिन अब इसका आयोजन 9 सितंबर 2025 को किया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एग्जाम शेड्यूल चेक कर सकते हैं। एमपी एक्साइज कांस्टेबल भर्ती परीक्षा

का आयोजन 9 सितंबर को दो शिफ्टों में किया जाएगा। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जिसके लिए उम्मीदवारों को सुबह 8 बजे से 9 बजे तक रिपोर्ट करना होगा। वहीं, दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी और इसके लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा में अभ्यर्थियों को कुल 2 घंटे का समय दिया जाएगा। एमपीईएसबी ने इस भर्ती अभियान के तहत कुल 253 पदों पर रिक्तियां निकाली हैं। इनमें 72 पद अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित हैं, जबकि 26 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलेंगे। इसके अलावा, 75 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 36 पद अनुसूचित जाति और 44 पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित किए गए हैं। ये रहेगा परीक्षा पैटर्न परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 100 अंकों के प्रश्न हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्नों का स्तर हाईस्कूल स्तर का होगा। सामान्य ज्ञान एवं तार्किक ज्ञान से 40 अंकों के, बौद्धिक क्षमता एवं मानसिक अभिरूचि से 30 अंकों के और विज्ञान एवं सरल अंक गणित से 30 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे।

गुदा फिशर का इलाज अब बिना सर्जरी संभव

भोपाल। अब तक गुदा फिशर जैसी तकलीफदेह बीमारी के इलाज में सर्जरी को ही अंतिम विकल्प माना जाता रहा है। लेकिन एम्स भोपाल के हालिया शोध ने यह साबित किया है कि सिर्फ तीन माह के होम्योपैथी इलाज से भी मरीज पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। यह निष्कर्ष एक अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। एम्स भोपाल के आयुष विभाग (होम्योपैथी) और जनरल सर्जरी विभाग ने मिलकर यह अध्ययन किया। इसमें 34 मरीजों को शामिल किया गया, जिन्हें तीव्र गुदा फिशर की समस्या थी। मरीजों को तीन महीने तक पियोनिया ऑफिसिनेलिस नामक होम्योपैथिक दवा दी गई। साथ ही, उन्हें आहार संबंधी सलाह भी दी गई थी।

रिजल्ट के मुख्य पॉइंट

अध्ययन के दौरान पाया गया कि मरीजों के दर्द में लगभग 99 प्रतिशत तक कमी आई। मलत्याग के दौरान होने वाली पीड़ा पूरी तरह खत्म हो गई। मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार देखा गया।

88 फीसदी मरीज हुए स्वस्थ

एम्स से मिली जानकारी के अनुसार, तीन माह के अंत तक 34 में से 30 मरीज यानी लगभग 88 प्रतिशत पूरी तरह ठीक हो गए। सबसे राहत की बात यह रही कि किसी गंभीर दुष्प्रभाव की भी शिकायत नहीं मिली। इस अध्ययन के मुख्य शोधकताओं में डॉ. आशीष कुमार दीक्षित (आयुष-होम्योपैथी) और डॉ. मूरत सिंह यादव (जनरल सर्जरी) शामिल रहे।

मिलकर काम करना जरूरी

डॉ. आशीष कुमार दीक्षित ने कहा कि यह रिसर्च दिखाता है कि होम्योपैथी और सर्जरी का सहयोग मरीजों की देखभाल में नए आयाम खोल सकता है। अब नई तकनीक आ गईं हैं, ऐसे में अलग-अलग पैथी को मिलकर काम करने पर जोर देना चाहिए।

बाघ और अब चीतों के बीच फंसा मोहली गांव

विस्थापन रुका, खतरें में 8 हजार जिंदगियां

भोपाल। मप्र के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में करीब 8 हजार आबादी वाली ग्राम पंचायत मोहली के बंटी यादव 4 महीने पहले विस्थापन की औपचारिकताएं पूरी कर चुके हैं। लेकिन अब तक गांव में विस्थापन प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। उनका कहना है कि बाघों की आबादी बढ़ रही है, हम अब सुरक्षित नहीं हैं। डर के मारे ना खेती कर पाते हैं, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव हैं। हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि यहां से निकलकर सुरक्षित जगह पहुंच जाएं। गांव की करीब 80 फीसदी आबादी को विस्थापन में मिलने वाले मुआवजे का इंतजार लंबा हो रहा है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन का कहना है कि, विस्थापन स्वैच्छिक होता है और जब तक ग्रामसभा की सहमति नहीं मिलेगी, तब तक हम विस्थापन प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाएंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि लगातार बाघों की आबादी बढ? के अलावा अफ्रीकन चीते भी यहां आने वाले हैं। अगर समय पर विस्थापन नहीं हुआ, तो वन्यप्राणी और इंसान दोनों असुरक्षित होंगे।

विस्थापन मंजूर हो चुका है, लेकिन मुआवजा कम मिल रहा है।

मोहली का विस्थापन बड़ी समस्या

नौरादेही टाइगर रिजर्व में विस्थापन की प्रक्रिया 2014 से चल रही है। हालांकि 2018 में इलाके को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण परियोजना में शामिल किया गया था और 2023 में टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया था। लेकिन 2010 में यहां अफ्रीकन चीतों को बसाने के लिए सर्वेक्षण हुआ था और तभी तय कर लिया गया था कि पहले यहां विस्थापन की प्रक्रिया शुरू की जाए। उसी समय नौरादेही वाइल्ड लाइफ सेंचुरी हुआ करती थी और यहां पर बाघों की संख्या शून्य थी। लेकिन भविष्य में बाघ और चीता बसाने के लिहाज से यहां 2014 में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी। तब से लेकर अब तक कई छोटे गांव विस्थापित हो चुके हैं। लेकिन मोहली एक ऐसा गांव है, जिसकी आबादी करीब 8 हजार है और इस गांव का विस्थापन काफी जरूरी है।

द्वितीय दिवस 37 को मिला रोजगार और फिर हुआ ''रोजगार मेले'' का सफल समापन

देश की प्रगति एवं औद्योगिक उन्नति में सदैव तत्पर रहने वाली अग्रणी संस्था श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्याल सीहोर के प्रांगण में निर्माण उद्योग विकास परिषद नई दिल्ली के तत्वावधान में भव्य ₹रोजगार मेले₹ का आयोजन किया गया, इस अवसर पर देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनिययॉ जैसे टाटा प्रोजेक्ट, हाक्सवेल , कल्पतरू,ए.डी.सी. स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट,शिव शक्ति प्राइवेट लिमिटेड इत्यादि ने युवा बेरोजगारों को उनकी गुणवत्ता के आधार रोजगार और कोशल के समान अवसर देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। रोजगार मेले के दूसरे दिन कंपनी के सभी ऑफिशल्स ने चयनित युवाओं को कंपनी की पॉलिसी और नॉर्म्स के बारे में बताया और कंपनी का प्रेजेंटेशन रखा । सीआईडीसी के डायरेक्टर जनरल डॉ प्रिय रंजन स्वरूप ने चयनित विद्यार्थियों को

शुभकामनाएं दी ।। संस्था के कुलगुरु प्रोफेसर मुकेश तिवारी ने बताया कि रोजगार मेले के इस आयोजन से छात्र-छात्राओं के लिए रोजगार के अवसर सुगम हुए उन्होंने सभी चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी और अगले वर्ष भी रोजगार मेले के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान करने की बात कही इस समय कार्यक्रम में संस्था के कुल सचिव डॉ हेमंत शर्मा एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय राठौर , सभी डीन एवं प्राचार्य , और शिक्षक गण उपस्थित थे । कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार और सफल संचालन अंकित जोशी ने किया।

अनुराग जैन की सेवा वृद्धि से रुका शिवशेखर का प्रमोशन

अब केवल दीपाली रस्तोगी होंगी पदोन्नत

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन की सेवा वृद्धि प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला के लिए भारी पड़ गई है। अगर अनुराग जैन की सेवा वृद्धि नहीं होती तो शिवशेखर शुक्ला को मुख्य सचिव के वेतनमान पद पर पदोन्नति मिल जाती। अब 31 अगस्त को जेएन कंसोटिया के सेवानिवृत्त होने पर इसका लाभ प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी को मिलेगा, वे अपर मुख्य सचिव (एसीएस) पद पर पदोन्नत होंगी। मुख्य सचिव पद के लिए

एसीएस जल संसाधन राजेश कुमार राजौरा और एसीएस वन अशोक बर्णबाल के नाम की भी चर्चा थी। इसके अलावा केंद्र में पदस्थ मप्र कैडर के आइएएस अधिकारी अलका उपाध्याय और मनोज गोविल का नाम भी मुख्य सचिव की दौड़ में बताया जा रहा था, लेकिन अलका उपाध्याय को केंद्र में अल्पसंख्यक मंत्रालय की सचिव की जिम्मेदारी मिलने के बाद यह उनके नाम की अटकलें थम गईं। गौरतलब है कि 31 अगस्त को अनुराग जैन और जेएन कंसोटिया का रिटायरमेंट होना था। लेकिन मुख्य सचिव अनुराग जैन का एक साल का कार्यकाल बढ़ाया गया है।

शुक्ला को करना होगा इंतजार

मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल के लिए मिली सेवा वृद्धि के कारण प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिवशेखर शुक्ला को अपर मुख्य सचिव पद पर पदोन्नति पाने के लिए अभी इंतजार करना होगा। इससे पहले अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी के सेवानिवृत्त होने पर प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी को एसीएस बनाया गया था। बता दें, मुख्य सचिव का पद अपर मुख्य सचिव स्तर का ही होता है, बस भत्ते और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। जानकारी के अनुसार, मुख्य सचिव अनुराग जैन का कार्यकाल बढ़ाए जाने पर गुरुवार दोपहर तक राज्य सरकार निर्णय नहीं ले सकी थी। जब केंद्र सरकार की ओर से पहल की गई,

जैन लोक प्रशासन में एमए

मुख्य सचिव अनुराग जैन का जन्म 11 अगस्त 1965 को मप्र के ग्वालियर में हुआ था। भारतीय प्रशासनिक सेवा में आने के बाद जैन की पहली नियुक्ति जून 1990 में सागर में सहायक कलेक्टर के पद पर हुई। बहुमुखी प्रतिभा के धनी जैन की शैक्षणिक योग्यता बीटेक इंजीनियरिंग और एमए लोक प्रशासन (अमेरिका) है।

मप्र मेडिकल काउंसिल की तरह अब फामेर्सी काउंसिल ने भी बनाया

अब कागज नहीं चेहरा देखकर होगा नवीनीकरण

भोपाल। मप्र मेडिकल काउंसिल की तरह अब फामेर्सी काउंसिल में भी पंजीयन नवीनीकरण के लिए फार्मासिस्ट का भौतिक सत्यापन अनिवार्य करने की तैयारी है। 60 वर्ष से कम उम्र वालों का आधार केवायसी से सत्यापन किया जाएगा, ताकि पता चल सके कि वे जीवित है या नहीं। इससे अधिक उम्र वालों को भोपाल में फार्मेसी काउंसिल में उपस्थित होना पड़ेगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि अभी सिर्फ कागजों के आधार पर पंजीयन नवीनीकरण हो जाता है, जिससे यही पता नहीं चलता कि जिसके नाम से पंजीयन वह व्यक्ति जीवित है या नहीं। इसी पंजीयन के आधार पर औषधि प्रशासन विभाग मेडिकल स्टोर का लाइसेंस जारी करता है। कई बार तो ड्रगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन की तरफ से भी फार्मासिस्टों के नवीनीकरण आवेदन एकत्र करके काउंसिल में भेजे जाते हैं।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। *संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. – 8770932048